● जयपुर, बुधवार, 24 जुलाई 24 ●वर्ष 13 ● अंक 326 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950
दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम
चमकता राजस्थान
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित
विज्ञापन के लिए : 93145 05000

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 उदयपुर जिले में वांछित तस्कर को भीलवाड़ा के हमीरगढ़...
पेज @4 बजट रोजगार सृजन पर जोर, तीन रोजगार से जुड़ी...
पेज @8 100 दिवसीय संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित....

रक्षा क्षेत्र में और मजबूत होगा देश

सरकार ने रक्षा मंत्रालय के लिए किया 6,21,940 करोड़ रूपए का आवंटन

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में आम बजट पेश किया। इस आम बजट में कई बड़े ऐलान के साथ तमाम मंत्रालयों के लिए धन का आवंटन किया गया है।

इसी कड़ी में राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय को आवंटित बजट के लिए मोदी सरकार का आभार जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जहां तक रक्षा मंत्रालय के आवंटन का सवाल है, मैं 6,21,940.85 करोड़ रुपये का उच्चतम आवंटन देने के लिए वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं, जो वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार के कुल बजट का 12.9 प्रतिशत है। 1,72,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय सशस्त्र बलों की क्षमताओं को और मजबूत करेगा। घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 1,05,518.43 करोड़ रुपये निर्धारित करने से आत्मनिर्भरता को और गति मिलेगी।

उन्होंने आगे लिखा, मुझे खुशी है कि सीमा सड×कों को पूंजीगत मद के तहत पिछले बजट की तुलना में आवंटन में 30 प्रतिशत की वृद्धि दी गई है। बीआरओ को 6,500 करोड़ रुपये का यह आवंटन हमारे बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को और गति देगा। रक्षा उद्योगों में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और इनोवेटर्स द्वारा दिए गए तकनीकी समाधानों को वित्तपोषित करने के लिए आईडीईएक्स योजना के लिए 518 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने आगे लिखा, वित्त वर्ष 2024-25 बजट पेश करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई। यह बजट एक समृद्ध और आत्मनिर्भर 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। समावेशी और तेज गति वाले विकास की दृष्टि से यह बजट भारत के आर्थिक परिवर्तन को गति देगा। यह बजट कई मायनों में अद्वितीय है और सर्वांगीण और समावेशी विकास के लिए एनडीए सरकार की 9 प्रमुख प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है।

उन्होंने आगे लिखा, यह बजट 2027 तक भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने

जानिए बजट को लेकर विपक्षी पार्टियों ने क्या कहा

बजट नहीं ये झुनझुना है..

केंद्रीय बजट में बिहार को 26 हजार करोड़ रुपये देने का एलान किया गया है। इस पर बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद की सांसद राबड़ी देवी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, राज्य में हत्या और चोरी हो रही है। मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिल रही है। युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही औक किसानों की समस्या अभी भी बरकरार है। बिहार को 26 हजार करोड़ रुपये आवंटित करना बिहार को झुनझुना देने के बराबर है।

बजट पर क्या बोले राहुल गांधी

इस बजट को लेकर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के कद्दावर नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने इसे कुर्सी बचाओ बजट बताया। राहुल गांधी ने इस बजट को सहयोगियों को खुश करने वाला बताया है। उन्होंने कहा, बजट में अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे (सहयोगियों) खोखले वादे किए गए। राहुल ने कहा, ये बजट अपने मित्रों को खुश करने के लिए लाया गया है।

बजट पर क्या बोले खरगे?

उधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इसे कॉपी पेस्ट बजट करार दिया। खरगे ने ट्वीट कर कहा, कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का नकलची बजट। मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवडिय़ां बांट रहा है, ताकि बची रहे।

बजट पर क्या बोलीं मायावती?

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि संसद में आज पेश केन्द्रीय बजट अपने पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्ठी भर अमीर व धन्ना सेठों को छोडकर देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, वंचितों व उपेक्षित बहुजनों के त्रस्त जीवन से मुक्ति हेतु अच्छे दिन की उम्मीदों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी

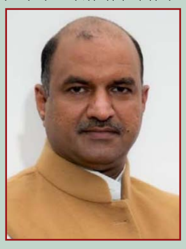

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत पूर्ण बजट को विकसित भारत के ध्येय को बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट बताया जिसमे किसान, युवा, गरीब, महिला सहित समाज के हर वर्ग और हर क्षेत्र को समाहित किया गया है। बजट में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बने इसकी झलक साफ दिखाई देती है। उन्होंने दमदार और शानदार बजट के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री का आभार जताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में विकसित भारत की आधारशीला रखी गई थी। बजट में जैविक खेती को बढ़ावा और किसानों को अधिक सुविधा मिले, एमएसएमई सेक्टर से लेकर कौशल विकास तक पांच साल में चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को रोजागार देने, तीन करोड़ महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान बजट में किया है।

उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि किसानों, महिलाओं, युवा और गरीब को ध्यान में रख कर बनाया गया 2024-25 का केन्द्रीय बजट, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने का रोड मैप है। उन्होने कहा कि यह देश के सभी वर्गों की आशाओं पर खरा उतरने वाला बजट है। उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि महिला और बालिकाओं के लिए केन्द्रीय बजट में 3लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण की भी घोषणा की गई है, जिसके अन्तर्गत 25000 गांवों तक रोड बनायी जायेगी।

गया के विष्णुपाद मंदिर और बौधगया के महाबोधि मंदिर कॉरिडोर को काशी विश्वनाथ की तर्ज पर विकसित करने, राजगीर और नालंदा को विकसित करने की घोषणा की भी उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये दोनों कॉरिडोर, देश-विदेश से श्रृद्धालुओ और पर्यटकों को भारत की ओर आकर्षित करेगें।

दिया कुमारी ने कहा कि केन्द्रीय बजट में रोज़गार और कौशल विकास के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के साथ-साथ छोटे और मध्यम उद्योगों और मध्यम वर्ग के लिए भी कई घोषणाएँ की गयी है। देश में युवाओं को अगले पाँच साल में कौशल विकास के विभिन्न अवसर प्राप्त होगे और एक करोड़ युवाओं को देश के टॉप 500 कपंनियों में इंटर्नशिप करने का मौक़ा मिलेगा। इसके साथ ही देश के विभिन्न संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को दस लाख तक का ऋण उपलब्ध हो पायेगा। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फंड के माध्यम से युवाओ को रिसर्च के क्षेत्र मे नये मौक़े उपलब्ध होगे। उन्होंने हर्ष जताया कि कृषि के क्षेत्र में केन्द्र सरकार ने 1.51 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो रक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र के बजट के बाद सबसे बडा बजट प्रावधान है। मनरेगा स्कीम में भी बजट को 60000 करोड़ से बढ़ा कर इस बजट में 86000 करोड़ किया गया है, जो स्वागत योग्य है। स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा योजना के अन्तर्गत मिलने वाले ऋण की सीमा को भी बढ़ा कर बीस लाख रुपये कर दिया गया है। औद्योगिक मज़दूरों के लिए पीपीपी मोड़ पर रेन्टल हाउंसिग को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने कामगारों के कल्याण के लिए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के टेक्सटाईल और वस्त्र उद्योग को इसका फ़ायदा मिलेगा, जिसमें बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार कार्यरत है।

बजट पर प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

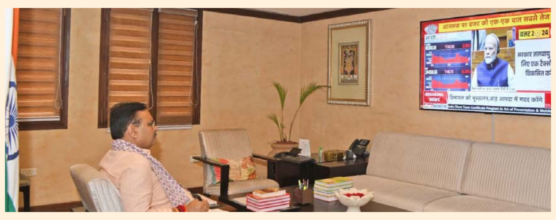

जयपुर, 23 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय बजट 2024-25 का स्वागत करते हुए कहा है कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का प्रभावी रोडमैप इस बजट में तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि, रोजगार, सामाजिक न्याय, नवाचार, ऊर्जा, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे सहित 9 प्राथमिकताओं के साथ पेश इस बजट से भारत का विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था से तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त होगा। यह बजट 140 करोड़ देशवासियों एवं 8 करोड़ राजस्थानियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाला साबित होगा।

शर्मा ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को क्रांतिकारी और ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इससे प्रत्येक भारतीय के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में गरीब, युवा, महिला, किसान सहित सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। इस बजट में गरीबों को संबल दिया गया है, मध्यम वर्ग को मजबूत किया गया है तथा देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से विकसित करने का मंत्र दिया गया है।

शर्मा ने कहा कि इस कल्याणकारी बजट में गरीब और मध्यम वर्ग की आवश्यकताओं का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में 3 करोड़ गरीबों और मध्यम वर्ग का घर का सपना पूरा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि बजट में नई कर प्रणाली के अंतर्गत आयकर में छूट, मानक कटौती की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये करने जैसे प्रावधान कर मध्यम वर्ग और वेतनभोगियों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा शुल्क की दरों में कमी किए जाने से कैंसर की दवाईयों, मोबाइल फोन, सोलर सैल और पैनलों की लागत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बजट की इन सभी घोषणाओं से आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प को मजबूती मिलेगी और आने वाले समय में विकसित भारत-विकसित राजस्थान का लक्ष्य प्राप्त होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

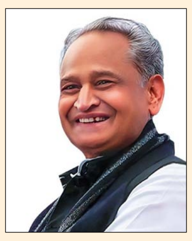

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गए बजट में राजस्थान को केवल निराशा हाथ लगी है। ऐसा लगा कि राजनैतिक कारणों से केन्द्र सरकार ने केवल आंध्र प्रदेश एवं बिहार को ही पूरे देश का बजट सौंप दिया हो। भौगोलिक एवं सामाजिक रूप से हमारे राजस्थान को विशेष पैकेज की आवश्यकता थी परन्तु पूरे बजट भाषण में राजस्थान का नाम तक नहीं आया जबकि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान तथाकथित डबल इंजन की सरकार से डबल विकास के भ्रामक दावे के बगैर प्रधानमंत्री जी का कोई भाषण समाप्त नहीं होता था। हमें आशा थी कि केन्द्र सरकार इस बजट में एफ्छढ को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देगी एवं एफ्छढ के लिए विशेष फंड मिलेगा लेकिन केन्द्र सरकार ने एफ्छढ पर भी कोई घोषणा ना कर राजस्थान के हितों के साथ खिलवाड़ किया है। पहले भाजपा सरकार का वादा 2 करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष का था परन्तु अब 5 साल में 1 करोड़ इंटर्नशिप एवं 5,000 रुपये महीने देने की घोषणा बजट में की गई है। महंगाई को काबू करने के लिए इस बजट में कोई उपाय नहीं किए गए हैं। ना तो पेट्रोल डीजल पर कोई टैक्स कम किया गया और ना ही रसोई गैस सस्ती की गई। राजस्थान में हमारी सरकार ने 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया। जब राजस्थान राज्य ऐसा कर सकता है तो केन्द्र सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती? पूरे बजट भाषण को पढ़ने के बाद जनता निराश है। ऐसा दिशाहीन बजट देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में शायद ही कामयाब हो।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट

जयपुर, 23 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वित्त मंत्री ने बजट में अनेक प्रदेशों की योजनाओं का उल्लेख किया परन्तु राजस्थान की ई.आर.सी.पी. और यमुना लिंक योजनाओं के लिए कोई घोषणा नहीं की जो कि प्रदेश की जनता के साथ छलावा है जबकि केन्द्र के मंत्री ने अपनी मौजूदगी में मध्यप्रदेश और हरियाणा के साथ एमओयू करवाए थे।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने इस बजट को रोजगारोन्मुखी बताने का प्रयास किया है जो कि दर्शाता है कि भाजपा सरकार ने यह स्वीकार कर लिया है कि बेरोजगारी चरम पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि बजट में दिखाए गए कदमों से बेरोजगारी कम नहीं होने वाली क्योंकि निम्न और निम्न मध्यम वर्ग में महंगाई के कारण खपत बढ़ नहीं पा रही है। सरकार को हर हालत में सरकारी पूंजीगत व्यय को और बढ़ाने पर जोर देना होगा।

पायलट ने कहा कि केन्द्र सरकार के अधीन चल रहे लगभग 10 लाख रिक्त पदों को भरने को लेकर भी वित्त मंत्री बजट में चुप्पी साधे रखी जो साबित करता है कि सरकार बेरोजगारों को केवल निजी क्षेत्र की ओर धकेलना चाहती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा मनरेगा पर वित्त मंत्री द्वारा बजट भाषण में एक शब्द भी नहीं बोलना समझ से परे है।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस घोषणा पत्र की इंटर्नशिप योजना, प्रशिक्षुता योजना को बजट में शामिल करके भाजपा सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि कांग्रेस की नीतियां सदा से ही देश हित में रही है। उन्होंने कहा कि इस बजट से न महंगाई कम होगी, न बड़ी मात्रा में रोजगार उत्पन्न होंने और न ही राजस्थान को कोई विशेष योजना मिलेगी।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा

जयपुर, 23 जुलाई।

केन्द्र सरकार द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किए बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि देश के किसान, युवा, महिला, उद्योगपति सहित प्रदेशवासियों को केन्द्र सरकार के बजट ने निराश किया है।

डोटासरा ने कहा कि राजस्थान से केन्द्र सरकार में चार मंत्री होने के बावजूद राजस्थान के लिए एक भी योजना अथवा केन्द्रीय सहायता प्रदेश को नहीं मिलना, दुःखद है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं है किन्तु राजस्थान से ही केन्द्रीय पर्यटन मंत्री होने के बावजूद राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र के विकास हेतु कोई सहायता केन्द्र सरकार से प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने कहा कि राजस्थान को ईआरसीपी-पीकेसी परियोजना के लिए कोई राशि आवंटित नहीं कर भाजपा की केन्द्र सरकार ने राजस्थान के प्रदेशवासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने युवाओं को राहत प्रदान करने हेतु केन्द्र सरकार के अधीन विभागों में खाली पड़े पदों पर नियुक्तियां देने

की घोषणा नहीं की और ना ही युवाओं के हितों पर कुठाराघात करने वाली अग्निवीर योजना को निरस्त किया बल्कि रोजगार की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र को सौंप कर इतिश्री केन्द्र द्वारा कर ली गई है। उन्होंने कहा कि देश के 55 प्रतिशत लोगों को रोजगार देने वाले कृषि क्षेत्र के लिए भी केन्द्र सरकार ने कोई योगदान इस बजट में नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों को ना तो स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप एमएसपी देने का कानून भाजपा के वादे के अनुरूप बना और ना ही किसानों की आय बढ़ाने हेतु कोई उपाय किये गये है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट के समय जब प्राकृतिक आपदा के कारण कृषि विकास दर घट कर 1.4 प्रतिशत रह गई है, 2019-2020 के मुकाबले कृषि का बजट घटाकर कुल बजट का मात्र 3.15 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का बजट केवल राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रस्तुत हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्र की भाजपा सरकार को बचाने के उद्देश्य से सहयोगी दलों के गृह राज्यों को बजट राशि आवंटित करने की घोषणा की है तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री ने प्रदेश को बजट में कुछ नहीं मिलने के बावजूद सहयोगी दलों के राज्यों के लिए की गई बजट घोषणाओं की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर दिया और बाद में उसे डिलीट किया। इस बजट से देश में ना महंगाई कम होगी, ना युवाओं को रोजगार मिलेगा, ना किसानों की आय बढ़ेगी, ना छोटे एवं मझोले उद्योगों को कोई राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश के मध्यमवर्गीय परिवारों को अपेक्षा के अनुरूप किसी प्रकार का कोई लाभ नहीं मिला और ना ही बचत हेतु किसी प्रकार का प्रोत्साहन इस बजट में है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट निराशापूर्ण एवं देश के समग्र विकास को बाधित करने वाला है।

राजीव अरोड़ा,पूर्व अध्यक्ष पर्यटन व लघु उद्योग निगम

केंद्र सरकार का यह बजट सिर्फ बिहार और आंध्र प्रदेश पर केंद्रित रहा। इसमें राजस्थान को पूरी तरह नकार दिया गया गया। हमारे प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति से लेकर नल-जल कनेक्शन, कनेक्टिविटी विस्तार तक इतने स्कोप हैं, लेकिन दुर्भाग्य कि केंद्र ने प्रदेश को पूरी तरह नजरंदाज किया। इस बजट में राजस्थान का नाम तक नहीं है।

किसानों की लंबे समय से मांग थी, जिसे अनसुना किया गया। न टरढ की गारंटी, न क़र्ज़ से राहत और न डीजल, कीटनाशक दवाई और खाद की क़ीमतें कम की गई!

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लंबे समय से एंजल टैक्स को खत्म करने की मांग उठा रही थी, क्योंकि एंजल टैक्स के कारण भारतीय स्टार्ट-अप्स को का×फी नुकसान झेलना पड़ रहा था। इस बजट में कांग्रेस पार्टी की मांग पर ध्यान देकर एंजल टैक्स समाप्त किया गया है।

केंद्र सरकार के इस बजट में कांग्रेस पार्टी के न्याय घोषणा पत्र का असर देखने को मिला है। कांग्रेस के पाँच न्याय में सबसे पहले ''युवा न्याय'' की संकल्पना है, जिसमें हर डिग्री/डिप्लोमा होल्डर को एक लाख रुपए के स्टाईपेंड की घोषणा की गई थी, तथा हर युवा के लिए सालाना एक लाख रुपए का प्रावधान था। आज के बजट में सिर्फ एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप का प्रावधान और इंटर्नशिप के दौरान महज़ साठ हजार रुपए का प्रावधान किया गया है।

बजट का सकारात्मक पक्ष सोने-चाँदी और कीमती धातुओं पर कस्टम ड्यूटी को कम करना रहा, जोकि जवाहरात उद्योग के लिए हितकारी है।

मध्यम वर्ग व पूँजी बाज़ार में निवेश करने वालों को इस बजट झटका लगा है। कैपिटल गेन टैक्स में वृद्धि को आर्थिक सलाहकारों और विशेषज्ञों ने भी उचित नहीं बताया है।

प्रतिबंध मुक्त संघ एक नयी किरण का आगाज

केंद्र की राजग सरकार ने एक महत्वपूर्ण एवं साहसिक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा कर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक भावना एवं मूल्यों का जीवंत किया है। भले ही इस आदेश को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आ रही है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। निश्चित ही वर्तमान सरकार का यह निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक गैर–राजनीतिक संगठन है, गत 99 वर्षों से सतत राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं समाज की सेवा में संलग्न संघ एक रचनात्मक, सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक संगठन है। राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता–अखंडता एवं प्राकृतिक आपदा के समय में संघ के योगदान की विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के नेताओं एवं दलों ने प्रशंसा भी की है। इस नये आदेश को लेकर इंडी गठबंधन के दलों में खलबली एवं बौखलाहट का सामने आना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आदेश से संघ की ताकत बढ़ेगी, जो इन विपक्षी दलों की चिन्ता का बड़ा कारण है।

दरअसल, आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय–समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी चाहते हुए भी संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था, जिस पर अदालत ने केंद्र सरकार से सफाई मांगी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने नौ जुलाई को एक ऑर्डर जारी करते हुए उक्त प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा कर दी। निश्चित ही यह आदेश संघ से जुड़े एवं राष्ट्रीय विचारधारा वाले सरकारी कर्मचारियों के लिये एक नयी किरण है। आपातकाल में इंदिरा गांधी सरकार की तानाशाही खुलकर सामने दिखी थी, लेकिन उससे पहले भी तानाशाही कदम उठाए जाते रहे थे। दरअसल, 7 नवंबर 1966 को संसद के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। 30 नवंबर 1966 को संघ–जनसंघ के प्रभाव से हिलकर इंदिरा गांधी ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि संघ व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। गोलीबारी में सैंकड़ों निर्दोष साधु–संत मारे गये थे। इस जघन्य हत्याकांड से क्षुब्ध होकर तत्कालीन गृहमंत्री गुलजारी लाल नंदा ने अपना त्यागपत्र दे दिया था। कांग्रेस पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में संघ पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था, फिर अभी हटाने के पीछे गहरी राजनीतिक चाल है। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है।

अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने से प्रतिबंधित किया था। क्रांति का फलित है व्यापक स्तर पर होने वाला परिवर्तन। व्यक्ति जिस समाज में जीता है, उसकी व्यवस्थाओं, नीतियों व परंपराओं में जब घुटन का अनुभव करता है जो वह किसी नए मार्ग का अनुसरण करता है। आजादी के बाद की राजनीतिक विसंगतियों से पनपी ऐसी ही घुटन से बाहर निकालने के प्रयत्न वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट उपक्रम है सरकारी कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध का हटना। इसको लेकर भी विपक्षी दल जनता को गुमराह कर रहा है, राष्ट्र की एकता को विखंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन केंद्र सरकार ने संघ की गतिविधियों में कर्मचारियों के शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को हटाकर नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की है। निःसंदेह, सरकार का यह निर्णय लोकतंत्र और संविधान की भावना को मजबूत करनेवाला है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों में शामिल हो सके। एक सामान्य नागरिक की भांति यह अधिकार कर्मचारियों को भी प्राप्त है कि अपने कार्यालयीन समय के बाद सामाजिक गतिविधियों का हिस्सा हो सकते हैं। परंतु, लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देनेवाली कांग्रेस की सरकार ने तानाशाहीपूर्ण तरीके से संघ की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो एक प्रकार से राष्ट्रीय विचार के प्रति झुकाव रखनेवाले लोगों को हतोत्साहित करने का प्रयास ही था। कांग्रेस की नीयत को समझिए कि उसने ऐसा कोई प्रतिबंध इस्लामिक, ईसाई, कम्युनिस्ट और अन्य प्रकार के संगठनों की गतिविधियों में शामिल होने पर नहीं लगाया था। यानी कर्मचारी इस्लामिक एवं ईसाई संगठनों से जुड़ सकता था लेकिन हिन्दू संगठन की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता था।

इस कांग्रेसी तानाशाही एवं द्वेष का उत्तर संघ ने तो कभी नहीं दिया लेकिन समाज ने अवश्य ही कांग्रेस को आईना दिखाने का कार्य किया। कांग्रेस लगातार आठ दशकों में हिन्दू–संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें चलती रही है। जबकि हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें यह उपदेश दिया कि 'सत्यं बूर्यात न बूर्यात सत्यं अप्रियं' अर्थात सच बोलो मगर कड़वा सच मत बोलो। हिन्दू संस्कृति की यही महानता और विशेषता रही है कि प्रिय सत्य की वकालत तो करती है मगर इसके कटु होने पर निषेध करने को भी कहती है। यह हिन्दू संस्कृति अहिंसा की संस्कृति है पर जरूरत पड़ने पर शस्त्र उठाकर स्व–रक्षा की बात भी कहती है। हिन्दू शब्द से ही स्वराष्ट्र का बोध होता है जो कि हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान है। लेकिन राजनीतिक कारणों से कांग्रेस एवं अन्य ताकतों ने हिन्दू संस्कृति को निस्तेज करने, संघ को दबाने एवं समाप्त करने के लिए अनेक प्रयत्न किए। इस आदेश के अतिरिक्त तीन बार संघ पर पूर्ण प्रतिबंध भी लगाया। संघ की छवि खराब करने के लिए बड़े–बड़े नेताओं की ओर से मिथ्या प्रचार भी किया गया। अपने समर्थक बुद्धिजीवियों से पुस्तकें भी लिखवायी गईं। लेकिन निस्वार्थ भाव से देश और समाज के लिए कार्य करनेवाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कोई रोक नहीं सका। अपनी 99 वर्ष की यात्रा में संघ ने लगातार प्रगति एवं विस्तार ही किया है। अपने विचार, आचरण एवं सेवाकार्यों से संघ ने समाज का विश्वास जीता, जिसके कारण समाज सदैव संघ के साथ खड़ा रहा। कांग्रेस सरकार का तात्कालिक आदेश भी सरकारी कर्मचारियों को संघ कार्य में सहभागी होने से रोक नहीं सका। कई ऐसे उहाहरण हैं, जिनमें संघ गतिविधि में शामिल होने पर कांग्रेस की सरकारों ने सरकारी कर्मचारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की। लेकिन वे सभी मामले न्यायालय में टिक नहीं सके। संघ के स्वयंसेवक न्यायालय से जीतकर आए। उनकी छोटी–छोटी जीतों की श्रृंखला ने भी यह साबित किया कि संघ की गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए लगाया गया कांग्रेस सरकार का आदेश निरर्थक और संविधान एवं मौलिक अधिकारों की मूल भावना के विरुद्ध था।

अर्थव्यवस्था को तीव्र गति व महाशक्ति बनाने वाला बजट

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का प्रथम सम्पूर्ण बजट वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया, उनकी ओर से प्रस्तुत यह बजट एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला है। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, नौकरीपेशा का थोड़ी राहत, बुनियादी ढांचे में निवेश, पर्यटन को बढ़ावा, आदिवासी उन्नयन, क्षमता विस्तार, हरित एवं कृषि विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी के नये भारत–सशक्त भारत–विकसित पर बल दिया गया है। वित्त मंत्री ने सरकार की 9 प्राथमिकताओं –खेती में उत्पादकता और मजबूती बढ़ाना, रोजगार और स्किल डेवलपमेंट, मानव संसाधन का समावेशी विकास और सामाजिक न्याय, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज, अर्बन डेलपमेंट, एनर्जी सिक्योरिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्नोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स का ऐलान किया है, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगा। बजट में जहां बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है वहीं महंगाई को नियंत्रित करने की मंशा साफ दिखाई दी है। विकास, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। सातवीं बार बजट प्रस्तुत कर वित्तमंत्री सीमारमण ने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिन्होंने वित्त मंत्री के रूप में पांच वार्षिक बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को लोकसभा में प्रस्तुत आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो इस बजट से पूर्ण होता हुआ दिखाई देता है। इस बजट में मध्यम वर्ग को लम्बे अन्तराल के बाद 7 लाख रुपये तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है। नए टैक्स रिजीम के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। साथ ही नए टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स में भी कुछ अहम बदलाव करने का एलान

किया है। मौजूदा नियमों के तहत एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इस लिमिट को बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये सालाना कर दिया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'नवाचार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिये बुनियादी अनुसंधान और प्रोटोटाइप विकास के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की घोषणा की। वाणिज्यिक स्तर पर निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का वित्तपोषण पूल भी बनाया जाएगा। मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया है। वित्तीय घाटा 2024–25 तक सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाने का लक्ष्य है। 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाए जाएंगे। छात्रावासों और क्रेच के माध्यम से कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी प्रस्ताव है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से यह बजट कारगर साबित होगा, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, रोजगार के नये अवसर सामने आयेंगे, उत्पाद एवं विकास को तीव्र गति मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक क्षेत्र में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद इस बजट प्रावधानों के माध्यम से देश को स्थिरता की तरफ ले जाते दिखाई पड़ रहे हैं। बजट हर वर्ष आता है। अनेक विचारधाराओं वाले वित्तमंत्रियों ने विगत में कई बजट प्रस्तुत किए। पर हर बजट लोगों की मुसीबतें बढ़ाकर ही जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट ने अर्थव्यवस्था में नयी परम्परा के साथ राहत की सांसें दी है तो नया भारत– सशक्त भारत–विकसित के निर्माण का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रेलों का विकास, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के विकास के साथ–साथ किसानों, आदिवासियों, गांवों और गरीबों को ज्यादा तवज्जो दी गयी है। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। इस बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं और उन उम्मीदों पर यह बजट खरा उतरा है। विशेषतः नौकरीपेशा लोगों ने राहत की सांस ली है।

संभवतः इस बजट को नया भारत निर्मित करने की दिशा में लोक–कल्याणकारी बजट कह सकते हैं। यह बजट वित्तीय अनुशासन स्थापित करने की दिशाओं को भी उद्घाटित करता है। आम बजट न केवल आम आदमी के सपने को साकार करने, आमजन की आकांक्षाओं को आकार देने और देशवासियों की आशाओं को पूर्ण करने वाला है बल्कि यह देश को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण एवं दूरगामी सोच से जुड़ा कदम है। बजट के सभी प्रावधानों एवं प्रस्तावों में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। आजादी के अमृत काल में प्रस्तुत यह बजट निश्चित ही अमृत बजट है। जिसमें भारत के आगामी 25 वर्षों के समग्र एवं बहुमुखी विकास को ध्यान में रखा गया है। बीते कुछ सालों में नरेन्द्र मोदी ने इकॉनमी को मजबूत करने के लिए जो नींव रखी थी, अब उस पर मजबूत इमारत खड़ा करने का मौका है। आदिवासी समुदायों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा। इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा, जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा। बजट में टूरिज्म पर विशेष बल दिया गया है। पर्यटन हमेशा से हमारी सभ्यता का हिस्सा रहा है।. भारत को वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के सरकार के प्रयासों से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बिहार में राजगीर और नालंदा के लिए एक व्यापक विकास पहल की जाएगी। सरकार ओडिशा में पर्यटन को बढ़ावा देंगी, जिसमें प्राकृतिक सुंदरता, मंदिर, शिल्पकला, प्राकृतिक परिदृश्य, वन्यजीव अभयारण्य और प्राचीन समुद्र तट हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा के अनुरूप ही बजट का फोकस किसानों, आदिवासियों, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास, रोजगार, युवाओं की अपेक्षाओं, विकास और ग्रामीण क्षेत्र एवं पर्यटन पर रखा है। अपने ढांचे में यह पूरे देश का बजट है, एक आदर्श बजट है। इसका ज्यादा जोर सामाजिक विकास पर है। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि–वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन बावजूद यह बजट राजनीति प्रेरित नहीं, देश प्रेरित है। इस बजट में जो नयी दिशाएं उद्घाटित हुई है और संतुलित विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था का जो संकेत दिया गया है, सरकार को इन क्षेत्रों में अनुकूल नतीजे हासिल करने पर खासी मेहनत करनी होगी।

महिला सुरक्षा पर सवाल है दो महिलाओं को जिंदा दफनाने की कोशिश!

मनोज कुमार अग्रवाल

बांध्य प्रदेश के रीवा जिले में दबंगों द्वारा दो महिलाओं को जिंदा दफनाने की कोशिश की गई। ये दोनों महिलाएं निजी जमीन पर जबरन सड़क निर्माण का विरोध कर रही थीं। हालांकि मदद के लिए आए लोगों के प्रयास से समय रहते दोनों महिलाओं को बाहर निकाल लिया गया है।मामले की जानकारी मिलते ही गांव के लोग जमा हो गए। जिसके बाद दबंग मौके से फरार हो गए। इसके बाद गांव के लोगों ने मुरुम हटाकर दोनों महिलाओं की जान बचाई। बता दें कि रीवा मध्य प्रदेश के डेप्युटी सीएम राजेन्द्र शुक्ला का गृह जिला है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वास्तव में यह मामला दबंगई और दुस्साहस की पराकाष्ठा है। मध्य प्रदेश के दबंगों की इस करतूत से सरकार को काफी आरोप प्रत्यारोप का शिकार होना पड़ रहा है।

इस दिल दहला देने वाली महिलाओं पर अत्याचार और दमन की वारदात से मध्यप्रदेश सरकार को नारी सुरक्षा और सम्मान की व्यवस्था को लेकर काफी आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है। इस घटना को लेकर तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। एक की गिरफ्तारी भी हो गई है। आपको बता दें कि घटना रीवा जिले के मनगवां थाना क्षेत्र के गगेव चौकी अंतर्गत हिनौता जोरौट गांव की है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कांग्रेस नेता ने भी इस वारदात को लेकर सवाल उठाए हैं।

जानकारी के मुताबिक आरोप है कि निजी जमीन पर सड़क बनाने की कोशिश की जा रही थी। इसी बात का आशा पाण्डेय और ममता पाण्डेय सहित अन्य महिलाएं विरोध कर रहे थीं। जैसे ही सड़क पर मुरम डालने के लिए डंपर आगे बढ़ा, तो महिलाएं उसके पीछे खड़ी हो गईं। उसी दौरान डम्पर चालक ने मुरम से भरी ट्रॉली इन महिलाओं के ऊपर खोल दी और महिलाएं मुरम के नीचे दब गईं। ग्रामीणों की मदद से मुरम में दबी महिलाओं को बाहर निकाला गया। मुरम से निकलने में थोड़ी भी देरी होती तो महिलाओं की मौत हो सकती थी। एएसपी विवेक लाल के अनुसार कि मामला सामने आया है। सड़क निर्माण का महिलाएं विरोध कर रही थीं। उसी दौरान मुरम में दब गईं। थाने में शिकायत दर्ज की गई है। इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी सामने आई है कि तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि यह एक पारिवारिक विवाद है। इस प्रकरण में पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। आरोपी विपिन पांडेय को पुलिस ने हिरासत में लिया है, वहीं दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। महिलाओं का भी अस्पताल में उपचार कराया गया, जहां से उन्हें छुट्टी दे दी गई है।

वहीं पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि हिनोता कोठार में जमीनी विवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, इसकी सूचना मिलते ही पुलिस बल को मौके पर पहुंचा। यहां फरियादी आशा पांडेय पति सुरेश पाण्डेय (25 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि उनका ससुर गौकरण पांडेय से साझे की जमीन को लेकर रास्ता निकलने को लेकर विवाद है। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे गौकरण पांडेय और देवर विपिन पांडेय विवादित जमीन पर सड़क बनवाने के लिए हाइवा से मुरुम लेकर आए। जहां आशा पांडेय अपनी देवरानी ममता पांडेय के साथ जाकर हाइवा क्रमांक एमपी 17 एचएच–3942 के चालक को मुरुम गिराने से मना करने लगीं। हाइवा चालक ने दोनों की बात नहीं सुनीं तो वे डंपर के पीछे मुरम गिरने के स्थान पर बैठने लगीं, इसी बीच अचानक हाइवा चालक ने तेजी से मुरम गिरा दी। दोनों मुरम में दबने लगीं, तभी मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर जयदीप प्रसाद के हवाले से बताया गया है कि शनिवार को रीवा जिले के मनगंवा थाने के ग्राम हिनोता कोठार में एक पारिवारिक जमीन विवाद में दो महिलाओं आशा पांडे और ममता पांडे पर मुरम गिरी थी। ये परिवार पांडे परिवार है। इसमें कोई दलित/आदिवासी महिला नहीं थीं। पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर डंपर जब्त किया गया है। एक आरोपी विपिन पांडे पुलिस की गिरफ्त में है। अन्य दो आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

मामले में कांग्रेस हमलावर हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि रीवा ज़िले की इस घटना ने एक बार फिर भाजपा शासन की महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए हैं! वैसे भी मध्य प्रदेश महिलाओं पर अत्याचार में पहले नंबर पर है! सीएम मोहन यादवजी, रीवा के मनगवां की इन बहनों को मुरम में दबाया गया और उनकी जान लेने की कोशिश की गई! क्या आपकी सरकार से यह बहनें उम्मीद रख सकती हैं कि इस घटना की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच होगी और उन्हें प्राथमिकता से न्याय मिलेगा? खैर आपकी सरकार महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को रोकने में बार–बार असफल हो रही है!

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा कि रीवा जिले के मनगंवा थाना क्षेत्र के ग्राम हिनोता का दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया है। जहां महिलाओं द्वारा अपनी जमीन पर सड़क बनाने का विरोध किया तो दबंगों ने महिलाओं को मुरम के नीचे दबाकर जिंदा दफनाने का प्रयास किया। भाजपा सरकार में माफियाओं का बोलबाला है, दलित, आदिवासी, महिलाओं को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। हालांकि पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यह मामला आदिवासी या दलित समाज से सम्बद्ध नही है।

बहरहाल मध्यप्रदेश सरकार को अपराधियों दबंगों के दिल दिमाग में कानून का खौफ पैदा करना होगा तभी ऐसी शर्मसार करने वाली वारदातों को नियंत्रित किया जा सकता है भाजपा के शासन में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर तमाम तरह के दावे किए जाते हैं और अपराध के लिए जीरो टालरेंस नीति की बात कही जाती है इसके लिए महिलाओं के खिलाफ होने वाली आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए समुचित कदम उठाने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसा करने का दुस्साहस कोई अपराधी न कर सके महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने के लिए तमाम कानून उपलब्ध हैं सिर्फ उन पर अनुसरण करते हुए सख्त इकी जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

क्यों सरदार पटेल की सीख से पूजा खेडकर दूर रहीं

आरके सिन्हा

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 21 अप्रैल, 1947 को राजधानी के मेटकॉफ हाउस में आजाद होने जा रहे भारत के पहले बैच के आई सी एस जो 1948 से आई पी जो 1948 से आई पी एस कहलाये ऐसे सभी अफसरों को संबोधित करते हुए कहा था कि ''उन्हें स्वतंत्र भारत में जनता के सवालों को लेकर गंभीरता और सहानुभूति का भाव रखना होगा। उन्हें अपने दायित्वों का निर्वाह ईमानदारी से करना होगा।'' सरदार पटेल ने उन्हें स्वराज और सुराज का अंतर भी समझाया था। जाहिर है, उनका ईमानदारी से आशय यही रहा होगा कि वे अपने जीवन के हर क्षेत्र में शुचिता और तटस्थता का पालन करेंगे। पर हाल में आईएएस प्रोबेशनर, पूजा खेडकर मामले को गहराई से देखने से समझ आ रहा है कि कुछ शातिर तत्व आईएएस या अन्य सरकारी नौकरियों को पाने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र भी सौंपते हैं। उनके लिए ईमानदारी का कोई मतलब नहीं है। उन्हें सरदार पटले की सीख से भी कोई लेना–देना नहीं। पूजा खेडकर मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण ले रही थीं। उन्हें महाराष्ट्र, शायद उनके अपने राज्य कैडर, में जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। उन्हें एहसास नहीं था कि आईएएस अफसर बनने का मतलब जन सेवा होता है। इसके बजाय, उसने इस पद को हासिल करने के बाद अपनी झूठी शान दिखानी शुरू कर दी। उसने कार, सुसज्जित कार्यालय और कर्मचारियों जैसी कई सुविधाओं की मांग की। चूँकि प्रोबेशनर्स इन लाभों के हकदार नहीं होते हैं, इसलिए उन्हें कोई भी लाभ नहीं दिया गया। इसलिए, उसने अपनी दैनिक ज़रूरतों के लिए एक लग्जरी कार "किराए पर" ली। इससे भी बुरा यह है कि उन्होंने कार की छत पर नीली बीकन लाइट भी लगाई। बीकन लाइट के इस्तेमाल को लेकर नियम हैं कि हर कोई ऐसी लाइट नहीं लगा सकता, जिसके कार्यात्मक उद्देश्य आवश्यक नहीं हैं। एम्बुलेंस वाहन पर ऐसी लाइट वाहन की तेज गति को सुविधाजनक बनाने के लिए है। पूजा का चयन दो विशेष श्रेणियों के तहत किया गया था। एक, वह ओबीसी के गैर–क्रीमी वर्ग से संबंधित हैं। यह स्वयं ही संदिग्ध है, यह देखते हुए कि उनके पिता एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी थे। फिर वह गैर–क्रीमी लेयर में कैसे चुनी गई। वह निश्चित रूप से गरीब व्यक्ति नहीं थी। उनके परिवार के पास पर्याप्त जमीन है जो निश्चित रूप से उन्हें एक अलग आर्थिक श्रेणी में रखेगी। पूजा ने यह भी दावा किया था कि उसकी एक अलग तरह की शारीरिक स्थिति है, जो उसे विकलांग कोटे के तहत आरक्षित सीट केलिये हकदार बनाती है। यूपीएससी और कार्मिक विभाग द्वारा विकलांगता के संबंध में कुछ तय दिशानिर्देशों का पालन करते हैं। एक व्यक्ति जिसे एक आंख में दृष्टि नहीं होती है, उसे "विकलांग" नहीं माना जाता है, यदि दूसरी आंख हर तरह से ठीक है।

मैंने इसके बारे में तब जाना जब मेरे एक मित्र के पुत्र ने सिविल सेवा परीक्षा दी।। बचपन में, उसके एक भाई ने उसकी दाहिनी आंख में कंपास डाल दिया था, जिससे वह आंशिक रूप से अंधा हो गया था। वह विकलांग कोटे के तहत आरक्षण के लिए योग्य नहीं होता, अगर उसकी दूसरी आंख सही होती। उसकी "सामान्य" आंख में आंशिक अंधापन था। इस तरह वह रेलवे सेवा के लिए चुना गया, जहाँ वह अब एक जिम्मेदार पद पर है। पूजा खेडकर के मामले में, वह लोकोमोटर डिफिशिएंसी का दावा करती है, जो उसकी बाहों और पैरों के चलने में बाधा उत्पन्न करती है। डॉक्टर और तकनीशियन आसानी से कमी का आकलन कर सकते हैं। उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मेडिकल बोर्ड के सामने खुद को प्रस्तुत करना चाहिए था, जो यह प्रमाणित करता था कि वह विकलांग श्रेणी में शामिल करने के लिए योग्य है या नहीं।

किसी न किसी बहाने से, वह बोर्ड के सामने पेश नहीं हुई, एक बार नहीं बल्कि पांच बार। वह उन अस्पतालों से विकलांगता का उचित प्रमाण पत्र भी प्राप्त नहीं कर सकी थी जिनसे उसने कथित तौर पर संपर्क किया था। यह भी रिकॉर्ड पर है कि उसने 2007 में एक मेडिकल कॉलेज में शामिल होने के दौरान पूर्ण फिटनेस प्रमाण पत्र जमा किया था। उल्लेखनीय बात यह है कि कार्मिक विभाग ने उसे मसूरी में आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने और मेडिकल चेक–अप पास किए बिना आईएएस में शामिल होने की अनुमति दी। यहाँ कोई गंभीर गलती हुई है, जो भ्रष्टाचार की श्रेणी में आयेगा और सही और निष्पक्ष जांच के बाद इसके लिये दोषी अधिकारी या अधिकारीयों को दण्डित तो करना ही होगा। केंद्र सरकार ने एक मेडिकल परीक्षा का आदेश दिया है जिसके लिए उसने एक व्यक्तिगत समिति नियुक्त की है, जो यह साबित करेगी कि क्या वह किसी भी विकलांगता से पीड़ित है। अगर उसने नखरे नहीं दिखाए होते, तो वह सेवा में बनी रहती। इससे कांड के बाद यूपीएससी की कार्यप्रणाली भी अच्छी रोशनी में नहीं दिखता है। इससे भी गंभीर बात यह है कि पूजा अपने जिला मजिस्ट्रेट जिससे अधीन वह प्रशिक्षण प्राप्त ककर रही थी उनके आदेशों की अनदेखी करती थी। यह सरकारी सेवा में एक गंभीर आरोप है। इस बीच, तेलंगाना में एक आईएएस अधिकारी के बारे में भी रिपोर्ट आई हैं, जो कुछ विकलांगताओं के आधार पर सेवा में शामिल हुए। उदाहरण के लिए, उन्हें कथित तौर पर पोलियो का हमला हुआ है। लेकिन घोड़े की सवारी और साइकिल चलाते हुए उनके वीडियो यह तो नहीं बताते कि वे कभी पोलियो के शिकार थे?। इससे यह सवाल उठता है कि क्या सिविल सेवाओं में विकलांग श्रेणियों के तहत रिक्तियों को भरने में मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाता है। लगता तो यही है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और पिछले दस–पंद्रह साल में विकलांगता के आधार पर चुने गये ऐसे सभी मामलों को जांच के दायरे में लाने की आवश्यकता है।

आईएएस, जिसे अक्सर "भारत के इस्पात फ्रेम" के रूप में जाना जाता है, यह उपाधि सरदार वल्लभभाई पटेल, "भारत के लौह पुरुष" से प्राप्त करता है। उन्होंने नव स्वतंत्र भारत की एकता और स्थिरता बनाए रखने में सिविल सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया था। आईएएस राष्ट्र के प्रभावी शासन के लिए आवश्यक, सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है। इस सेवा में भर्ती में कोई भी समझौता देश के हितों को गंभीर रूप से कमजोर कर सकता है। यदि देश की जनता के दिल में आईएएस पदाधिकारियों के प्रति स्वाभाविक रूप से सम्मान और आदर का भाव नहीं रह जायेगा, तो कोई भी आईएएस प्रशासन कर ही नहीं पायेगा।

आईएएस अधिकारियों से अपनी भूमिकाओं में निष्पक्षता और अखंडता का प्रदर्शन करने की अपेक्षा की जाती है। उनके फैसले लाखों लोगों के जीवन और देश की समग्र स्थिरता को प्रभावित करते हैं। निष्पक्षता बनाए रखकर और कानून के शासन का पालन करके, आईएएस अधिकारी यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि सरकार की नीतियां और कार्यक्रम निष्पक्ष रूप से और प्रभावी ढंग से लागू किए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया से समझौता पक्षपात ला सकता है और कानून के शासन को कमजोर कर सकता है, जिससे अस्थिरता और जनता का विश्वास कम हो सकता है। पूजा खेड़कर का मामला इस बात की गवाही है कि हमारे देश में फर्जी प्रमाणपत्र दिखाकर मलाई खाने का खेल खूब चल रहा है, जिसे तत्काल बंद किये जाने की आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत आईएएस डॉ. सत्यनारायण सिंह के जन्मदिवस पर प्रथम व्याख्यान का आयोजन

चमकता राजस्थान। (जयपुर खलील कुरेशी) आज दिनांकः-23 जुलाई 24 को जयपुर के डा. सत्यनारायण सिंह, आईएएस सेवानिवृत के जन्म दिवस आषाढ़ पूर्णिमा तदनुसार 21 जुलाई रविवार को सांय 6 बजे आरआईसी (राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, झालाना जयपुर) में ₹सुशासन : सिद्धांत और व्यवहार." विषय पर प्रथम व्याख्यान का आयोजन हुआ, इसमे मुख्य वक्ता भारत सरकार के सचिव वी. श्रीनिवास थे। ओंकार सिंह लखावत अध्यक्ष धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण, विशिष्ठ अतिथि थे रहे। अध्यक्षता बी. एम.शर्मा ने की। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डा. पुनीता सिंह ने किया। वक्ताओं ने सुशासन पर अपने विचार प्रगट किए! कार्यक्रम का आयोजन निर्मला सिंह एवं डा. रिपुंजय सिंह डॉ. परिक्षित सिंह ने किया । इस अवसर पर डा. सत्यनारायण सिंह के जीवन पर प्रकाशित ग्रंथ सत्य निर्मल का विमोचन भी किया गया।

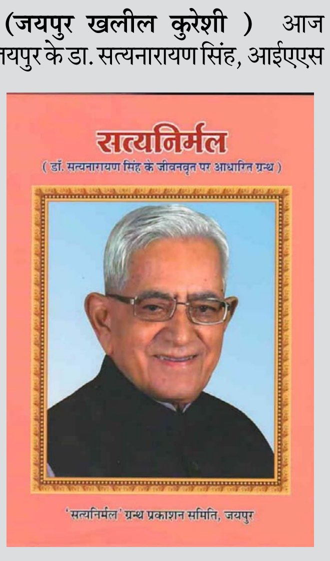

विवेकानंद पार्क में पौधारोपण

चमकता राजस्थान/जयपुर। मानव समाज सेवा संस्थान राजस्थान एवं ढँढ डायबिटीज एसोसिएशन द्वारा निर्माण नगर स्थित विवेकानंद पार्क में पौधारोपण हुआ।
संस्थान के अध्यक्ष डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि पार्क में जामुन,अमरूद,अशोक,कचनार एवम-सीताफल के 21 पौधे लगाये।
इस अवसर पर डॉ सुनील ढँढ,नटवरलाल भाटिया,दिलीप सिंह शेखावत,विपिन गुप्ता सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे,इन्होंने पेडों के संरक्षण की ज़िम्मेदारी ली।

एससी एसटी विकास को लेकर क्षमता वर्धन शिविर का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) द्वारा एससी-स्ट डेवलपमेंट फंड एक्ट 2022 पर कार्यकर्ता क्षमता वर्धन शिविर का आयोजन दिनांक 27 जुलाई 2024 को कोठी रोज विला मैरिज गार्डन भरतपुर पर समय 1:00 बजे से क्षमता वर्धन शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आर्थिक अधिकारों एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान कार्यकर्ताओं को मजबूत एवं सशक्त किया जावेगा ताकि समाज को लाभान्वित किया जा सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल की और से हुआ स्वामी हरि चैतन्य पुरी जी का सम्मान

चमकता राजस्थान। कामां (राजवीर सिंह) गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल जी की ओर से श्री हरि कृपा आश्रम के संस्थापक एवं श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्यपुरी जी महाराज का समारोह में पूरी टीम के द्वारा माला अर्पण कर, शॉल पहनाकर, सम्मान पत्र पढ़ने के बाद भेंट इत्यादि द्वारा सम्मान किया गया। श्री हरि कृपा आश्रम में इस बीच रोज़ हजारों भक्तों का ताँता लगा रहा। स्थानीय, क्षेत्रीय व देश के विभिन्न प्रांतो से रोज़ हजारों श्रद्धालु श्री महाराज जी के दर्शनों और दिव्य अमृत वचनों को सुनने के लिए पहुंचते रहे। गोवर्धन के पूँछरी में मुख्यमंत्री जी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी महाराज जी भजनलाल जी द्वारा आमंत्रित थे लेकिन आश्रम में उमड़ रही भारी भीड़ व समस्त कार्यक्रमों के कारण वहां जाना संभव नहीं हो पाया लेकिन महाराज जी ने मुख्यमंत्री जी की भावनाओं को हृदय से स्वीकार किया व आशीर्वाद दिया। तथा प्रसन्नता व्यक्त की कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल जी द्वारा प्रदेश के विकास के लिए उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कदम सराहनीय है व जन-जन के हितकारी सिद्ध होंगे।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की कार्रवाई

उदयपुर जिले में वांछित तस्कर को भीलवाड़ा के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में पकड़ा

अवैध मादक पदार्थ की तस्करी में 25 हजार का है इनामी, 5 साल से काट रहा था फरारी

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 23 जुलाई। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने उदयपुर जिले में वांछित इनामी अभियुक्त रतनलाल बंजारा पुत्र चन्द्रा बंजारा निवासी धोलादाता जावरिया थाना साडास (जिला चित्तौड़गढ़) को भीलवाड़ा के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में बरडोद चौराहे से दस्तयाब करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की गिरफ्तारी पर उदयपुर एसपी द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित है।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं एजीटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर श्री राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित की गई टीम के सदस्य कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह की सूचना पर टीम ने हमीरगढ़ थाना इलाके में घेराबंदी कर 5 साल से फरार चल रहे 25000 के इनामी रतन लाल बंजारा को पकड़ लिया।

पहली बार पकड़ा गया है आरोपी

आरोपी काफी शातिर प्रवृत्ति का है। पहली बार इसके विरुद्ध साल 2019 में उदयपुर जिले के थाना सूरजपोल में एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज हुआ, जबकि प्रारंभिक पूछताछ में इसने उससे पहले पंजाब, हरियाणा व राजस्थान में अफीम, स्मैक एवं डोडा चूरा इत्यादि मादक पदार्थ बेचने का कार्य करना बताया।

पांच सालों में 5 से ज्यादा राज्यों में काटी फरारी

पहली बार किसी मुकदमे में नाम आने पर आरोपी फरार हो गया और अपने घर परिवार और जानकर लोगों से रिश्ता तोड़ लिया। आरोपी ने बताया कि उसने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, मणिपुर, केरल आदि राज्यों में रहकर कंबल बेच एवं अन्य छोटे-मोटे काम कर फरारी काटी है। आरोपी को हमीरगढ़ थाने की निगरानी में रख सूरजपोल पुलिस को सूचना दे दी गई है।पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के कुशल नेतृत्व में गठित की गई टीम के सदस्य कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह की संपूर्ण कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में कांस्टेबल रामनिवास, भूपेंद्र शर्मा व ड्राइवर दिनेश कुमार एवं भीलवाड़ा जिले के थाना हमीरगढ़ थाने से कांस्टेबल इंद्रा राम शामिल था।

यह है मामला

17 अक्टूबर 2019 को एटीएस यूनिट उदयपुर एवं थाना सूरजपोल पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड की पीछे 100 फीट रोड पर खड़े आरोपी विक्रम कुमार गाडरी निवासी थाना गंगरार चितौड़गढ़ को 5 किलो 360 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया था। जिसने पूछताछ में आरोपी रतनलाल बंजारा से अफीम खरीद कर कालू जाट निवासी जरखाना थाना बड़ी सादड़ी चित्तौड़गढ़ को देने जाना बताया। कालूराम ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। घटना के बाद से ही आरोपी रतनलाल फरार चल रहा था।

7-8 महीने से पीछे पड़ी थी एजीटीएफ

पिछले 7-8 महीने से एजीटीएफ इसके पीछे पड़ी थी। लेकिन आरोपी अपने पास मोबाइल नहीं रखता है। इस वजह से इसे तलाशना कठिन हो रहा था। 6 महीने पहले प्राप्त आसूचना पर एजीटीएफ टीम निजी कार व बाइक से इसके गांव पहुंची। पुलिस को दिखते ही डेरो में रह रहे महिला पुरूष इकट्ठा होने लगे। टीम को भ्रमित करने आरोपी और इसके साथी अलग-अलग बाइक पर अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। बाइक से पीछा कर रहे टीम सदस्य कांस्टेबल गोपाल धाबाई व भूपेंद्र शर्मा इसी गफलत में बाइक स्लिप होने के कारण गिर गए और चोटिल हो गये। आरोपी भी अंधेरे और उबर खाबड रास्तों का सहारा लेकर फरार हो गया।

कल्पना के आधार पर कर्म भी जरूरी है

झड़ाया बालाजी मंदिर में कल्प वृक्षों की हुई पूजा अर्चना

मन की कल्पना को पूर्ण करता है कल्पवृक्ष : मदनलाल भावरिया

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी

(सुमेर सिंह राव) उपखंड क्षेत्र के पचलगी के पास झडाया बालाजी मंदिर में मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में कल्पवृक्षों की पूजा अर्चना की गई ' पचलंगी वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सन 2006 में वन सुरक्षा समिति पचलंगी के तहत राज्य सरकार के आदेशानुसार 47 वा वन महोत्सव यहां पर मनाया गया था ' तत्कालीन जिला कलेक्टर भवानी सिंह देथा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ था ' उस समय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अभिजीत प्रधान मुख्य वन संरक्षक व कार्यक्रम के आयोजक वन सुरक्षा समिति पचलंगी तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी एस.आर. काला रहे ' इस शुभ अवसर पर

चार कल्पवृक्ष लगाए गए ' जिनकी वर्तमान में ऊंचाई 25 से 30 फूट तक है ' तथा इन वृक्षों का ग्रोथ काफी चौड़ा है ' बताया जाता है कि वेदों में कल्पवृक्ष की भी काफी महिमा है ' समुद्र मंथन में 14 रतन जो निकले उसमें कल्पवृक्ष भी शामिल है ' वेदों की जानकारी के अनुसार इस वृक्ष की उम्र 1000 वर्ष बताई गई है ' झड़ाया मैं यह चार कल्पवृक्ष तीन महान संतों के नाम से वह एक श्री हनुमान जी महाराज के नाम से अभी भरपूर वृक्ष के रूप में विद्यमान है ' वन सुरक्षा समिति पचलंगी के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया मैं आगे बताया कि कल्पवृक्ष लगाते ही झडाया के पास तीन किलोमीटर की परिधि में भारी मूसलाधार बरसात हुई बताते हैं यह भी एक बहुत बड़ा चमत्कार दिखाई दिया था ' तथा झडाया बजरंग धाम आश्रम में 108 कुंण्डीय श्री राम महायज्ञ की घोषणा की जो 2008 में आयोजित हुआ ' इसलिए जरा बजरंग धाम आश्रम कल्प वृक्षों को देखते हुए राजस्थान का मिनी चेरापूंजी बनता जा रहा है ' यह यहां स्थित कल्पवृक्षों की ही दिन बताई जा रही है '

जयपुर में नगर निगम हैरिटेज का सफाई कर्मचारी 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 23 जुलाई, मंगलवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट, जयपुर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये फौजेन्द्र सिंह गुर्जर सफाई कर्मचारी-मीट चालान, नगर निगम हैरिटेज, जयपुर को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट, जयपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके वाहन को ईदगाह के पास खड़ा करने एवं बिना रूकावट के कार्य करने देने की एवज में आरोपी फौजेन्द्र सिंह गुर्जर सफाई कर्मचारी-मीट चालान, नगर निगम हैरिटेज, जयपुर द्वारा 10 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी, जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस श्री रणधीर सिंह के सुपरवीजन में एसीबी स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट, जयपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक श्री रघुवीर शरण, श्री सज्जन कुमार एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी फौजेन्द्र सिंह गुर्जर सफाई कर्मचारी-मीट चालान, नगर निगम हैरिटेज, जयपुर को परिवादी से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।एसीबी अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हैल्पलाईन नं. 1064 एवं हँ३रंस्त्रस्त्र हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24७7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी।

हज 2024 सफलतापूर्वक संपन्न, सभी भारतीय हज यात्री सुरक्षित घर पहुंचे

इस माह के अंत में हज 2025 की घोषणा संभव, संभावित हजयात्री अपने पासपोर्ट तैयार रखे

चमकता राजस्थान

जयपुर/नई दिल्ली (खलील कुरैशी)-हज 2024 के सभी भारतीय हज यात्री सुरक्षित घर वापस पहुंचे । भारत पहुंचे 95 प्रतिशत से अधिक हज यात्रियों ने सऊदी अरब में हज कमेटी आफ़ इंडिया और कांसुलेट जनरल ऑफ इंडिया द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष और खुशी व्यक्त की है,और भारत सरकार विशेषकर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का शुक्रिया अदा किया ।दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर हज कमेटी आफ़ इंडिया के सी. ई. ओ डॉ. लियाकत अली अफ़ाक़ी भा. रा. से ने हज यात्रियों का स्वागत किया।अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निदेशक और हज कमेटी आफ़ इंडिया के सी. ई.

ओ. डॉ. लियाकत अली अफ़ाक़ी ने कहा की अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की विशेष निगरानी और रुचि से हज 2024 कई मायनों में अनुकरणीय रहा। इस बारे में बताते हुए डॉ. अफ़ाक़ी ने कहा की हज 2024 में पहली बार भारतीय हज यात्रियों को सुविधाओं के मामले में कई नायाब तोहफे मिले हैं. मदीना में 95% से अधिक भारतीय हज यात्रियों को मस्जिद नबवी के बहुत करीब ठहराया गया था।300 किमी/घंटा हाई-स्पीड आरामदायक ट्रेन ₹हरमेन ट्रेन₹ से जेद्दा से सीधे मक्का तक पहुंचाया- पवित्र मशाइर ए मुकदसा में सभी हज यात्रियों को मीना के निश्चित सीमा के भीतर रखा गया था- हज सुविधा ऐप के रूप में सभी हज यात्रियों को एक सहायक प्रदान किया गया जो सभी आवश्यक-आवश्यकताओं के साथ-साथ हज यात्रियों के स्वास्थ्य और कल्याण में सहायक साबित हुआ।- हज यात्रियों को कई आरोहणों पर हवाई किराए में भारी छूट मिली। डॉ. अफ़ाक़ी ने आगे कहा कि हज 2025 को और भी बेहतर और सुविधाओं से भरपूर बनाने के लिए माननीय केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू, अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री माननीय जॉर्ज कुरियन के संरक्षण में पूरी गंभीरता के साथ प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। हज 2024 की सफलता पर हज कमेटी आफ़ इंडिया के सी.ई.ओ. डॉ. लियाकत अली अफ़ाक़ी भा.रा. से ने हज यात्रियों को दोनों देशों के दिशानिर्देशों का पालन करके सफलतापूर्वक हज पूरा करने के लिए शुक्रिया अदा किया है। डॉ. अफ़ाक़ी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन इरानी और पूर्व राज्य मंत्री जॉन बर्ला, कैबिनेट सचिव के. श्रीनिवास आर कटिकिथला, संयुक्त सचिव सी.पी. एस. बख्शी का विशेष शुक्रिया अदा किया है जिनके योग्य संरक्षण, विशेष रुचि और हज के मामलों में पूर्ण सहयोग हज की सफलता का एक प्रमुख कारण बना। इसके साथ ही उन्होंने हज से जुड़े सभी मंत्रालयों विशेषकर अल्पसंख्यक मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का शुक्रिया अदा किया है जिनके आपसी सहयोग से हज 2024 एक आदर्श हज बन सका। डॉ. अफ़ाक़ी ने हज से जुड़े सभी लोगों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि हज व्यवस्था किसी एक व्यक्ति या संस्था से संभव नहीं है, बल्कि यह एक बहुत बड़ी टीम का काम है।

बजट : रोजगार सृजन पर जोर, तीन रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा

नई दिल्ली। एजेंसी

केन्द्र सरकार के इस बार के बजट में रोजगार पर बेहद जोर दिया गया। 'रोजगार से संबंधित प्रोत्साहन' (ईएलआई) के लिए तीन योजनाएं सरकार लागू करेगी। योजनाएं ईपीएफओ में नामांकन तथा पहली बार रोजगार पाने वालों के लिए होगी। इसमें कर्मचारियों व नियोक्ताओं को सहायता प्रदान की जाएगी। इससे ढ़ाई करोड़ से ज्यादा युवाओं को लाभ मिलेगा। इसके अलावा सरकार शीर्ष कम्पनियों में इंटर्नशिप के अवसर मुहैया कराने और कौशल विकास से जुड़ी योजना भी लाई है।

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में केन्द्रीय बजट 2024-25 पेश किया। इसमें उन्होंने पहली बार रोजगार पाने, विनिर्माण क्षेत्र में

रोजगार सृजन और नियोक्ताओं को सहायता संबंधित तीन योजनाओं की घोषणा की।

पहली बार रोजगार पाने वाले : केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना में सभी औपचारिक क्षेत्रों में नये कामगार के रूप में शामिल होने वाले सभी नवनियुक्त व्यक्तियों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। ईपीएफओ में पंजीकृत पहली बार रोजगार पाने वाले कर्मचारियों को एक महीने के वेतन का प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तीन किस्तों में किया जाएगा, जो अधिकतम 15,000 रुपये होगा। इस योजना के अंतर्गत पात्रता सीमा एक लाख रुपये का मासिक वेतन होगा। उन्होंने कहा इस योजना से 210 लाख युवाओं के लाभान्वित होने की आशा है।

प्रायोजित एक नई योजना की घोषणा

वित्त मंत्री ने राज्य सरकारों और उद्योग के सहयोग से कौशल प्रशिक्षण के लिए केन्द्र द्वारा प्रायोजित एक नई योजना की घोषणा की है। इसमें 5 वर्षों की अवधि में 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा और परिणामोन्मुख दृष्टिकोण के साथ उचित व्यवस्था में एक हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योग की कौशल संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु और डिजाइन तैयार किया जाएगा और नई उभरती जरूरतों के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। कौशल संबंधी ऋणों के संबंध में वित्त मंत्री ने घोषणा की कि सरकार संवर्धित निधि की गारंटी के साथ 7.5 लाख तक के ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मॉडल कौशल ऋण योजना को संशोधित करेंगी।

शीर्ष कम्पनियों में इंटर्नशिप के अवसर

सरकार शीर्ष कम्पनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यापक योजना शुरू करेगी। संसद में आज केन्द्रीय बजट 2024-25 पेश करते हुए केन्?द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि यह योजना 500 शीर्ष कंपनियों में 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इससे रियल-लाइफ व्यवसाय वातावरण, विभिन्न व्यवसायों और रोजगार के अवसरों के लिए 12 महीनों का अनुभव मिलेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना में युवाओं को 5,000 प्रतिमाह का इंटर्नशिप भत्ता और 6,000 की एकबारगी सहायता दी जाएगी। कम्पनियों से अपेक्षा है कि वे अपनी सीएसआर निधियों से प्रशिक्षण लागत और इंटर्नशिप लागत का 10 प्रतिशत वहन करेंगी।

विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजनः केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना में विनिर्माण क्षेत्र में अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहन दिया जाएगा, जो पहली बार रोजगार पाने वालों के रोजगार से जुड़ा है। सीधे कर्मचारी और नियोक्ता, दोनों को रोजगार के पहले चार वर्षों में ईपीएफओ में उनके अंशदान के संबंध में एक प्रोत्साहन दिया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि इस योजना से पहली बार रोजगार पाने वाले 30 लाख युवाओं और उनके नियोक्ताओं के लाभान्वित होने की आशा है।

संक्षिप्त खबरें

क्रोएशिया के बुजुर्ग देखभाल केंद्र में हमलावर ने छह लोगों की हत्या की

जाग्रेब। मध्य क्रोएशिया में बुजुर्गों के एक देखभाल केंद्र में सोमवार को एक सशस्त्र हमलावर ने गोलीबारी की, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हुए हैं। क्रोएशिया की पुलिस ने यह जानकारी दी। क्रोएशिया के पुलिस प्रमुख निकोला मिलिना ने बताया कि पांच लोगों की तुरंत मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की अस्पताल में मौत हुई। उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति घटनास्थल से भाग गया, लेकिन पुलिस ने जल्द ही उसे दारुवर शहर में एक कैफे से पकड़ लिया। मिलिना ने बताया कि मृतकों में, देखभाल केंद्र में रहने वाले पांच लोग और एक कर्मचारी शामिल है। पुलिस ने बताया कि उसे सोमवार सुबह हमले की सूचना मिली। क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि संदिग्ध व्यक्ति पुलिस की हिरासत में है।

कांवड़ में आग का तांडव, कांवड़िया झुलसा

हरिद्वार। कांवड़ मेले में पिछले 24 घंटे के दौरान आग लगने की चार घटनाएं हुईं लेकिन फायर यूनिट ने तत्परता दिखाते हुए इन घटनाओं पर तत्काल काबू पा लिया। इस वजह से कहीं भी कोई जन हानि नहीं हुई। आग लगने की एक घटना बहादराबाद बाईपास चौक के नजदीक स्थित होटल हयात के पास हुई। जहां एक कार संख्या एचआर, एसी 1739 में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गई। सूचना मिलते ही लीडिंग फायर मैन निर्मल सिंह के नेतृत्व में फायर स्टेशन यूनिट सिडकुल की टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर विकराल रूप लेती आग को समय रहते बुझा दिया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दूसरी घटना दिल्ली हाइवे पर हुई, जहां कोतवाली मंगलौर के निकट खाना बनाते समय पेट्रोमैक्स के आग पकड़ने से राजस्थान निवासी कांवड़िया रवि कुमार झुलस गया। मौके पर पहुंचे फायर यूनिट मंगलौर के कर्मचारी अब्दुल रहमान, लहरी सिंह, चंद्र प्रकाश ने आग में झुलसे कांवड़िए को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाकर प्राथमिक उपचार करवाकर परिजनों के सुपुर्द किया।

बीटेक की छात्र ने लगाई फांसी

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में बीए की एक छात्रा के फांसी के फंदे पर झूलने के बाद बीटेक के छात्र ने भी हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली।बीटेक छात्र कानपुर देहात के अकबरपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था। पोस्टमार्टम के बाद शव का मंगलवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक गांव के छात्र और छात्रा के आत्महत्या के मामले को लेकर पुलिस भी हैरान है। हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र के गुजौरा गांव निवासी लक्ष्मी देवी (18) पुत्री गया प्रसाद इस साल बीए द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। इसने अपने ही घर में फांसी लगाकर जान दे दी। बेटी के फांसी के फंदे पर झूल जाने से परिजन बदहवाश हैं।

अनियंत्रित ट्रक गहरी खाई में पलटा, युवक की मौत

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र अंतर्गत गैपुरा पुलिस चौकी के विजयपुर पहाड़ी से उतरते समय एक ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गई। ट्रक में सवार लोगों की चीख पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। लालगंज से गैपुरा की ओर आ रही ओवरलोड ट्रक मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे विजयपुर पहाड़ी से नीचे उतरते समय अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल सोनभद्र निवासी दीपू को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से ट्रामा सेंटर भिजवाया। दूसरे युवक आदित्य (26) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गैपुरा चौकी प्रभारी ने बताया कि गैस कटर की सहायता से ट्रक के हिस्से को काटकर शव को बाहर निकाला गया। अग्रिम कार्रवाई के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

महिला पर तेजाब फेंकने वाला पूर्व पति गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के बांद्रा पूर्व इलाके में एक महिला और उसके बेटे पर तेजाब फेकने के जुर्म में पुलिस ने महिला के पूर्व पति को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले घायल महिला और उसके बेटे का इलाज कस्तूरबा अस्पताल में हो रहा है। दोनों खतरे से बाहर हैं। मामले की गहन छानबीन निर्मल नगर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार इस घटना में आरोपित इशरत शेख का उसकी पूर्व पत्नी अंजुम शेख के साथ कुछ महीने पहले उसकी इच्छा के विरुद्ध तलाक हो चुका था। इससे इशरत अपनी पत्नी से नाराज था और सोमवार को दोपहर में बांद्रा में ही अपनी पूर्व पत्नी अंजुम और बेटे पर तेजाब फेंक कर फरार हो गया।

एडमोंटन के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड

एडमोंटन। कनाडा में एक और हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया है। अब एडमोंटन के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर पर सुबह भारत विरोधी नारे लिखे देखे गए। साथ ही भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य पर हमला किया गया। नेपियन संसद सदस्य चंद्र आर्य ने हिंदू-कनाडाई समुदायों के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। आर्य ने एक्स पर कहा, "एडमॉन्टन में हिंदू मंदिर बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को फिर से तोड़ दिया गया है। पिछले कुछ सालों से 'ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के अन्य स्थानों में भारत विरोधी नारे के साथ तोड़फोड़ की जा रही है।" सांसद आर्य ने पोस्ट में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों को मिली छूट की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, "जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी नफरत और हिंसा की अपनी सार्वजनिक बयानबाजी से आसानी से बच निकलते हैं। मैं एक बार फिर से बोलना चाहता हूं, हिंदू कनाडाई सच में परेशान हैं।

इमरान की पार्टी के खिलाफ सेना ने खोला मोर्चा, बताया अवैध राजनीति माफिया

नई दिल्ली। एजेंसी

पाकिस्तान में सेना की मजबूत पकड़ और सत्ता प्रतिष्ठान से उसकी राजनीतिक जुगलबंदी एक बार फिर सतह पर आ गई है। पाकिस्तान की सरकार ने सेना को गिलगित-बाल्टिस्तान सहित कई प्रांतों में ऑपरेशन अजम-ए-इस्तेहकम के माध्यम से एक नए सिरे से सक्रिय और आतंकवाद विरोधी अभियान से निपटने के लिए मंजूरी दी है। इसका पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तहरीक ए इंसाफ पार्टी (पीटीआई) खुलकर विरोध कर रही है। सेना की तरफ से भी पीटीआई के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया है। पाकिस्तान की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने सोमवार को देरशाम रावलपिंडी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पीटीआई का नाम लिए बिना कहा कि संगठित राजनीतिक माफिया आतंकियों के सफाये और आर्थिक विकास के उद्देश्य से शुरू

किए गए एक नए आतंकवाद-रोधी अभियान 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं।

दरअसल पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पीटीआई ने ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकम का कड़ा विरोध किया है। पीटीआई ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा में किसी भी सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध किया जाएगा। इस्लामाबाद में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गुंदापुर, पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान और असद कैसर सहित कई नेताओं ने सरकार के ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम से पैदा होने वाली परिस्थितियों का आकलन किया।। पार्टी के सदस्यों ने इस बात पर एकजुटता व्यक्त की है कि अगर खैबर पख्तूनख्वा में किसी भी तरह से कोई सैन्य कार्रवाई की जाती है तो पीटीआई उसका विरोध करेगी। ऑपरेशन अजम-ए-इस्तेहकम के खिलाफ असंतोष को अन्य राजनीतिक संस्थाओं ने भी दोहराया।

पीटीआई नेताओं ने कहा कि ऑपरेशन अजम-ए-इस्तेहकम पाकिस्तान की सुरक्षा को मजबूत करने के बजाय उसकी कमजोरियों को बढ़ा सकता है। पाकिस्तान की संसद में अब सबसे बड़ी पार्टी के रूप में मान्यता मिल जाने के बाद पीटीआई के इस विरोध ने सेना और सरकार के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने कहा कि अजम-ए-इस्तेहकम को विफल करने के लिए बड़े एक विशाल अवैध राजनीतिक माफिया खड़ा हो गया है।

अमृतकाल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है बजट : आदित्यनाथ

लखनऊ। एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी और देश क 140 करोड़ लोगों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट है। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को कहा कि आम बजट 2024-25 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। इसमें अंत्योदय की पावन भावना, विकास की असीम संभावना और नवोन्मेष की नव-दृष्टि है। इस बजट में गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान समेत समाज के सभी तबकों के समग्र विकास का संकल्प, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दृष्टि और वंचित को वंचना से मुक्त कराने का रोडमैप है। मध्यम वर्ग को बड़ी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्राविधानों की घोषणा स्वागत योग्य है। योगी ने कहा कि 'नए भारत' को 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी और विश्व का ग्रोथ इंजन बनाने का मार्ग प्रशस्त करते इस लोक-कल्याणकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हार्दिक अभिनंदन।

नेपाल के कैलाली में अस्पताल के नाम लीज पर ली जमीन पर बना दिया चर्च

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल के कैलाली जिले के धनगढी में अस्पताल के नाम पर जमीन लीज पर लेकर चर्च बनाने का खुलासा हुआ है। धनगढी के प्रभाकर भण्डारी की जमीन अस्पताल बनाने के लिए लीज पर लेकर उस पर बनाए गए भवन में चर्च की गतिविधि शुरू करने की शिकायत स्थानीय प्रशासन में की गई है।

धनगढी नगरपालिका में दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक नेपाल लाइफ वर्ल्ड मिशन के तहत स्कीन हॉस्पिटल लेट मी इन खोलने के लिए जमीन लीज पर लेकर भवन बनाया गया था। वर्ल्ड मिशन नामक संस्था कोरियाई संस्था है। यह विदेशों में धर्मांतरण कराने के लिए कुख्यात है। शिकायत के मुताबिक, लीज डीड में अस्पताल खोलने के साथ ही इसमें सेमिनार और प्रशिक्षण करने का उल्लेख भी था। इसी का फायदा उठाकर वहां चर्च की गतिविधि शुरू की गई है। जमीन के मालिक प्रभाकर भण्डारी ने जमीन वापस दिलाने के लिए अर्जी दी है। स्थानीय लोगों ने भी शिकायत दर्ज कराई है कि जिस मोहल्ले में एक भी ईसाई नहीं रहता है वहां पर चर्च बनाने की क्या आवश्यकता है। लोगों की शिकायत यह भी है कि कथित चर्च में साप्ताहिक प्रार्थना और अन्य दिनों में चर्च संबंधी सेमिनार होते रहते हैं। इस भवन में दो कोरियाई नागरिक भी रहते हैं।

शिकायत के बाद धनगढी नगरपालिका ने इस संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। धनगढी के मेयर गोपी हमाल ने कहा कि नेपाल लाइफ वर्ल्ड मिशन को पत्र लिख कर 24 घंटे के भीतर लिखित जवाब देने को कहा गया है।

सड़क पर जाम लगा रहे कई अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। कांवड़ मेले के चलते सड़क किनारे लगी अस्थाई दुकानों को हटाने पर फड़ वाले भड़क गए। भड़के व्यवसाइयों ने सड़क पर जाम लगा दिया। जिसे खुलवाने पहुंची पुलिस से भी इनकी नोकझोंक हुई। उसके बाद 30-35 लोगों के खिलाफ कनखल थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिक्रमण कर बनाई गई अस्थाई दुकानों, फड़ लगाने वालों को पुलिस ने कांवड़ मेले के चलते हटाया था। जिस पर दुकानदारों ने इकट्ठा होकर सिंहद्वार फ्लाईओवर के पास जाम लगा दिया और इसमें आने जाने वाले कांवड़ियों को यह कहकर भड़का दिया कि वह यहां कांवड़ियों की सेवा के लिए दुकानें लगा रहे थे, जिन्हें पुलिस ने जबरन हटा दिया। पुलिस ने दुकानदारों को काफी समझाया लेकिन वह नहीं माने। जिस पर पुलिस ने कांवड़ियों को तो समझाबुझा कर भेज दिया।

बारिश और भूस्खलन के कारण राजमार्ग अवरुद्ध

- 158 सड़क खण्डों पर एकतरफा रास्ता बंद

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के कारण देश के नौ राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गए हैं जबकि 159 सड़क खंड पर एकतरफा यातायात परिचालन किया जा रहा रहा है। सड़क विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में नौ राजमार्ग जगह जगह पहाड़ों से बडे. बडे.पत्थर और मलबा गिरने से पूरी तरह से अवरूद्ध हो गए हैं। विभाग के अनुसार डुम्रे-बेंसीशहर-चामे, तानसेन-रेडी-कोरला, पुष्पलाल (मध्यपहाड़ी) राजमार्ग, बागलुंग और डोटी को जोड़ने वाला राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध है। सड़क विभाग के मुताबिक जगह-जगह भूस्खलन हटाने का काम जारी है। विभाग ने बाढ़ और भूस्खलन जैसी मानसूनी आपदाओं के कारण रात में यात्रा न करने की सलाह दी है।

जल और मौसम विज्ञान विभाग के तहत मौसम पूवार्नुमान प्रभाग ने सूचित किया है कि अगले 24 घंटे में कोशी, बागमती, गंडकी, लुंबिनी और सुदुरपश्चिम प्रांतों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इसके कारण इन प्रांतों की नदियों में बाढ़ का खतरा है। इन क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थान पर रहने और अत्यावश्यक कार्य से ही यात्रा पर निकलने की सलाह दी गई है। भारी बारिश की वजह से इन क्षेत्रों में होने वाली अचानक बाढ़, भूस्खलन और कटाव जैसी आपदाओं के जोखिम या क्षति से बचने के लिए स्थानीय प्रशासन की तरफ से भी अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने सूचना प्रकाशित कर इन क्षेत्रों में पर्यटन, पर्वतारोहण, सड़क और हवाई परिवहन सहित दैनिक जन जीवन प्रभावित होने की संभावना के कारण आवश्यक सावधानी बरतने का अनुरोध किया है।

विशेषता › मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया आत्मनिर्भर पंचायत–समृद्ध मध्यप्रदेश पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

स्वावलंबन, भारतीय गांवों की है मुख्य शक्ति और विशेषता : डॉ. यादव

- गौ-माता की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी राशि

भोपाल। एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वावलंबन ही भारतीय गांव की मुख्य शक्ति और उनकी विशेषता रही है। हजारों साल की गुलामी के बावजूद भारतीय समाज ने अपने सांस्कृतिक स्वरूप और मूल्यों को गांवों के स्वावलंबन के बल पर ही अक्षुण्य बनाए रखा है। आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्यप्रदेश विषय पर संगोष्ठी, पंचायतों और ग्रामों को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त और विकास परक बनाने में प्रभावी रूप

से सहायक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आत्मनिर्भर पंचायत- समृद्ध मध्य प्रदेश विषय पर कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया। इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना, पशुपाल राज्य मंत्री लखन पटेल एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह तथा अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे।

हर घर में जल और हर खेत में सिंचाई के लिए हो रहे हैं विशेष प्रयास

मुख्यमंत्री ने श्रावण मास में आरंभ हुई तीन दिवसीय कार्यशाला में महाकाल बाबा के जयघोष के साथ अपना संबोधन आरंभ करते हुए कहा कि भारतीय गाँव अनुशासित, संयमित और परम्परा व मूल्यों के अनुसार जीवन जीने के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वावलंबी ग्राम की व्यवस्था को सशक्त करने के प्रयासों से ग्रामीण जीवन अधिक सुविधाजनक हो रहा है।

ग्रामीणों को प्रगति के भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हर घर में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन संचालित है तथा हर खेत में सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था के उद्देश्य से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार पूरे प्रदेश में प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में नर्मदा घाटी विकास के परिणाम सबके सामने हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश को 45-45 हजार करोड़ रूपए उपलब्ध कराए गए हैं। कालीसिंध-पार्वती और चंबल लिंक परियोजना की गतिविधियां आरंभ हो रही हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ने से किसानों का भी आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

दस से अधिक गाय पालने वालों को मिलेगा अनुदान

डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार खेती के साथ-साथ पशुपालन को भी राज्य सरकार विशेष महत्व दे रही है। वृद्ध, अस्वस्थ, अपाहिज व असहाय गायों को पालने के लिए राज्य सरकार द्वारा राशि उपलब्ध कराई जाएगी। कांजी हाऊसों को गौ-शाला के रूप में विकसित किया जाएगा और ऐसी गायों की व्यवस्था कांजी हाऊस में की जाएगी। गायों पर दिए जाने वाले अनुदान की राशि में भी वृद्धि की गई है, जो किसान 10 से अधिक गाय पालेंगे, उन्हें अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही फसलों के समान दूध पर बोनस उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी आरंभ की जाएगी। गौ-माता की संवदेनशीलता और आत्मीयता अद्भुत है।

सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में नए सोपान गढ़ेगा बजटः धामी

देहरादून। एजेंसी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह बजट राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के इतिहास में नए सोपान गढ़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में आने वाले पांच वर्ष राष्ट्र के विकास को नई गति देंगे। विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए यह स्वर्णिम क्षण है और इन्हीं के माध्यम से सभी भारतीयों की आकांक्षाओं को पूर्णता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के विकास को प्राथमिकता में रखते हुए चतुर्दिक समृद्धि और विकसित भारत का सशक्त पथ

सुनिश्चित करने वाला बजट पेश किया है। भारत के सम्रग विकास को सुनिश्चित करने वाला यह सर्वस्पर्शी बजट युवाओं, अन्नदाता किसानों, मातृशक्ति, विद्यार्थियों के साथ सभी वर्गों के हितों की पूर्ति करने के अलावा प्रधानमंत्री मोदी के विजन 'विकसित भारत-2047' को सार्थकता प्रदान करने में अत्यंत सहायक होगा।

मिस्टर बच्चन की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा, थंगलान-डबल इस्मार्ट से होगी रवि तेजा की टक्कर

साउथ के मास महाराजा रवि तेजा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मिस्टर बच्चन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दर्शक बेसब्री से फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माताओं ने इस इंतजार पर विराम लगा दिया है और फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक एलान कर दिया है। अजय देवगन की रेड का तेलुगु रूपांतरण मिस्टर बच्चन स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी। निर्माताओं और रवि तेजा ने इसकी घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर भी साझा किया। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पीपल मीडिया फैक्ट्री ने लिखा, वक्त पे पहुचनेका अपना पुराना आदत है। मिस्टर बच्चन की 15 अगस्त को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज होगी। 14 अगस्त को सभी जगह विशेष प्रीमियर होगा। बड़े पर्दे पर जबरदस्त मनोरंजन के लिए तैयार हो जाइए। यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म निर्देशक हरीश शंकर द्वारा निर्देशित और टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित है। फिल्म में रवि तेजा के साथ भाग्यश्री बोरसे औ[र] सुभलेखा सुधाकर भी प्रमुख भूमिका[ओं में] हैं। कहानी भारतीय उद्योगपति सरदा[र] सिंह पर एक नाटकीय आयकर छापे [के] इर्द-गिर्द घूमती है। इस साल उगादी [के] अवसर पर रवि तेजा ने अपनी नई फि[ल्म] का भी एलान किया था। उनकी 75वीं फिल्म का अस्थाई नाम आरटी75 है [इस] फिल्म को लेकर भी दर्शकों के बीच [भारी] उत्साह है। रवि तेजा अपनी 75वीं फि[ल्म में] लक्ष्मण भेरी की भूमिका निभाएंगे। इसका निर्देशन समाजवरगमन के लेखक भानु भोगवरपु करेंगे।

आदित्य रॉय और सामंथा रुथ के साथ नजर आएंगी वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर ने अपनी आने वाली वेब सीरीज के लिए राज और डीके के साथ हाथ मिलाया है। चर्चा है कि इस सीरीज में कई बेहतरीन अभिनेत्रियां अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरेंगी। सोशल मीडिया पर खबर आई थी कि शो में मुख्य भूमिका निभाने के लिए साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु को चुना गया है। वहीं, अब सीरीज में एक और अभिनेत्री के शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आदित्य और सामंथा के साथ वामिका गब्बी भी इस सीरीज में काम करेंगी।

राही अनिल बर्वे करेंगे निर्देशन

ऐसी खबरें थीं कि इस सीरीज का नाम अस्थायी रूप से रक्तबीज रखा गया है और यह एक्शन जॉनर में आती है। हालांकि, बाद में कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि सीरीज का नाम फिलहाल रक्त ब्रह्मांड है और यह एक पीरियड फैंटेसी होगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि राज और डीके केवल शो रनर होंगे और इसका निर्देशन तुम्बाड फेम राही अनिल बर्वे करेंगे।

कलाकारों को पसंद आई कहानी

वहीं अब ताजा जानकारी के अनुसार, वामिका भी इस टीम का हिस्सा होंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, राही ने एक रहस्यमयी, काल्पनिक दुनिया बनाई है, जिसे भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं दिखाया गया। आदित्य, सामंथा और वामिका को सीरीज की कहानी और दृश्य ने प्रभावित किया है, जिसके बाद उन्होंने इसके लिए तुरंत हां कह दी और वे इस सीरीज में अभिनय करने के लिए उत्साहित हैं।

आदित्य-सामंथा ने शुरू की तैयारी

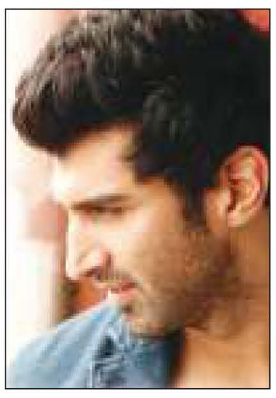

यह एक खास प्रोजेक्ट है, जिसे राही तुम्बाड के आने से पहले बनाने की सोच रहे थे। उन्होंने शुरू में इसे एक फीचर फिल्म के रूप में बनाने का सोचा था, लेकिन व्यापक सामग्री के कारण इसे एक वेब सीरीज में रूपांतरित किया, जो फिल्म के रूप में नहीं बन सकती थी। यह सीरीज दर्शकों को धोखे और दोहरे-धोखे, प्यार और बलिदान और भाग्य से भरी दुनिया में ले जाएगी। यह सीरीज एक्शन से भरपूर होगी, इसलिए आदित्य और सामंथा पहले ही इसके लिए अपनी तैयारी शुरू कर चुके हैं। हालांकि इस खबरों पर आधिकारिक तौर पर निर्माताओं की मुहर लगनी बाकी है।

दीपिका और कटरीना के साथ काम करना चाहूंगा

पंजाबी इंडस्ट्री में सिंगर-एक्टर एमी विर्क को तकरीबन 20 साल होने आए, मगर बॉलिवुड में जब उन्होंने भुज- द प्राइड ऑफ इंडिया और 83 जैसी फिल्मों में काम किया तो अपने निशान छोड़े। अब वो अपकमिंग फिल्म बैड न्यूज में हीरो के रूप में नजर आएंगे। विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी जैसे साथी कलाकारों से सजी एमी अपनी इस फिल्म में कॉमिडी के रंग में रंगे हैं।

आपके करियर की बात करूं, तो सुना है कि आपको काफी संघर्ष करना पड़ा? क्या आपको रिजेक्ट होना पड़ा?

सच कहूं, तो मुझे संघर्ष लफ्ज से आपत्ति है। ये मुझे दो नंबरी वर्ड लगता है। मुझ पर ऊपर वाले की मेहरबानी रही कि मुझे अपने पहले गाने से लेकर आज तक कोई स्ट्रगल नहीं करना पड़ा। मेहनत मुझे काफी करनी पड़ी है, मगर मुझे काम मांगने के लिए कभी मिन्नतें नहीं करनी पड़ीं। पंजाब हो या बॉलिवुड, मेरे सभी बड़े-छोटे भाइयों ने मुझे प्यार से काम दिया है। मैं मानता हूं कि रिजेक्शन कलाकार को बेहतर बनाता है।

एक समय था जब सरदारों को फिल्मों में स्टीरियोटाइप या कॉमिडी में ही इस्तेमाल किया जाता था, उन पर जोक्स बनते थे, मगर क्या आप मानते हैं कि अब वो स्थिति बदल रही है?

हमारे यहां दिलजीत पाजी, सतिंदर सरताज, रणजीत बावा और मेरे जैसे कई कलाकार हैं, जो पगड़ी बांधकर खुद को रिप्रेजेंट करते हैं। लोग कहते हैं कि आप पगड़ी को इंटरनैशनली ले गए हैं, तो मैं उल्टा कहता हूं कि पगड़ी के कारण ही हम यहां तक पहुंचे हैं। पगड़ी हमें यहां तक लाई है। अब जैसे मेरी पगड़ी नहीं होती, तो मैं इस फिल्म का हिस्सा नहीं होता। जैसे 83 की पूरी टीम थी, जिसमें मैं अकेला सरदार था। फिल्म में मैंने बलविंदर सिंह संधू का रोल किया था। पहले हमारा मजाक उड़ाया जाता था, मगर मेरे भाइयों ने वो स्टीरियोटाइप तोड़ा।

पंजाबी इंडस्ट्री में आपने अपने करियर की शुरुआत इंटेंस और नकारात्मक भूमिकाओं से की, आपके लिए बैड न्यूज में कॉमिडी करना कितना चुनौतीपूर्ण था?

हर एक्टर कॉमिडी करना चाहता है। पंजाबी इंडस्ट्री में आम तौर पर कॉमिडी फिल्में बनती हैं। वहां की ऑडियंस पारिवारिक फिल्मों के रूप में रॉम-कॉम देखना पसंद करते हैं, तो पंजाबी एक्टर्स का कॉमिडी में हाथ अच्छा ही होता है। आजकल की स्ट्रेसफुल लाइफ में जिंदगी हो या फिल्में कॉमिडी जरूरी हो जाती है, तो मैंने कॉमिडी को खूब इंजॉय किया।

बॉलिवुड में किन एक्ट्रेसेस के साथ काम करने के इच्छुक हैं?

अभी तो सारी भाभियां ही हैं हमारी। सभी हीरो मेरे दोस्त हैं। उधर दीपिका भाभी (दीपिका पादुकोण) इधर कटरीना भाभी (कटरीना कैफ) इनके अलावा मुझे तो खैर सभी हीरोइनों के साथ काम करना है। सभी अच्छी हैं। हीरोइनों के अलावा मैं अच्छी स्क्रिप्ट्स पर काम करना चाहूंगा। मैं चाहता हूं बॉलिवुड में अच्छे किरदार करूं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो से निकाले जाने की खबरों का सुमोना ने बताया सच

सुमोना चक्रवर्ती द कपिल शर्मा शो का अहम हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने हमेशा दर्शकों का मनोरंजन किया है। हालांकि, जब द ग्रेट इंडियन कपिल शो का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर हुआ तो प्रशंसकों को सुमोना की अनुपस्थिति का ध्यान आया। बाद में, इंटरनेट पर कई अफवाहें फैलने लगीं जिनमें दावा किया गया कि सुमोना को निकाल दिया गया है। वहीं, अब अभिनेत्री ने इस मामले पर खुलकर बात की है और शो का हिस्सा न बनने के पीछे की असल वजह बताई है। एक हालिया इंटरव्यू में सुमोना ने साफ किया कि उन्हें कपिल शर्मा के शो से नहीं निकाला गया है। अभिनेत्री ने कहा, यह बहुत अजीब है क्योंकि कुछ दिन पहले एक बहुत [...] आर्टिकल आया [...] जर्नलिस्ट [...] और [...] अलग [...] फिर [...] दिन बाद [...] डिया [...] बिल्कुल [...] ही [...] स कुछ नहीं था क्योंकि मैं भी रोमानिया में थी। सुमोना चक्रवर्ती ने अपनी बात में आगे जोड़ा, मैंने यह बार-बार कहा है। मैं एक ऐसे शो का हिस्सा थी जो पिछले साल जुलाई में खत्म हो गया था और ऐसा नहीं है कि मैं बाहर निकल गई या मैंने इस्तीफा दे दिया या मुझे निकाल दिया गया। शो जुलाई में खत्म हो गया और उसके बाद हम सभी आगे बढ़ गए। हमने उसके बाद अपने-अपने प्रोजेक्ट शुरू किए। मैं खतरों के खिलाड़ी कर रही हूं। उन्होंने (कपिल शर्मा) एक और शो किया। बस इतना है कि हमारे बीच कोई खटास नहीं है। मैं कपिल से क्यों नाराज होंगी?

अपनी पहली मलयालम फिल्म को लेकर उत्साहित हैं एसजे सूर्या

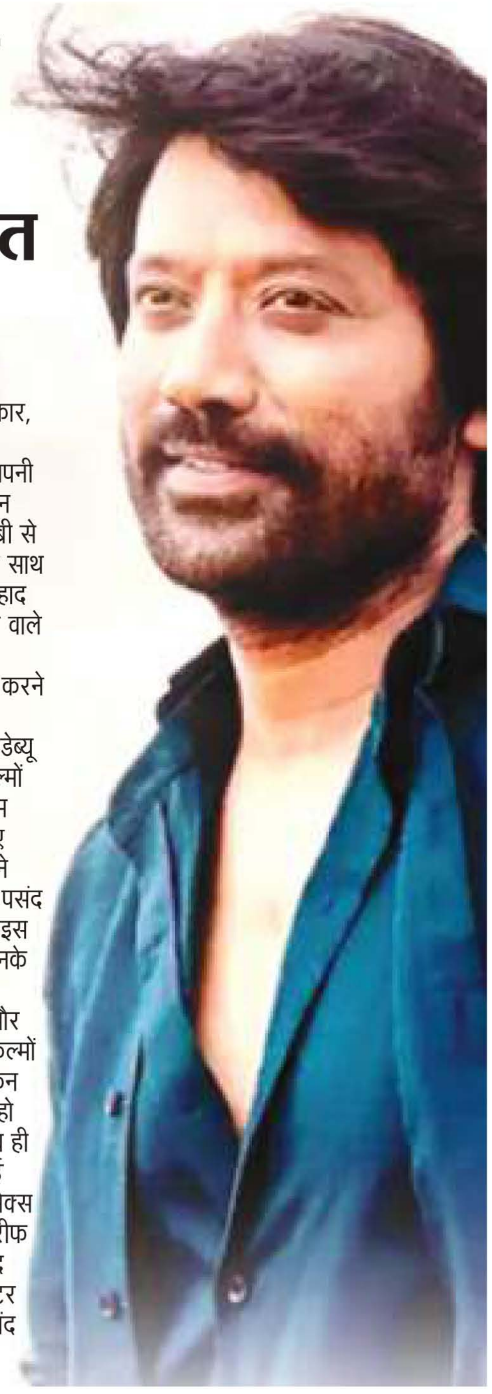

एसजे सूर्या एक मशहूर भारतीय अभिनेता, गीतकार, संगीतकार, पटकथा लेखक और निर्देशक हैं, जो मुख्य रूप से तमिल फिल्मों में काम करते हैं। अपनी बहुमुखी प्रतिभा की वजह से उन्होंने काफी सम्मान हासिल किया है। फैंस उनकी हर फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हाल में ही वह कमल हासन के साथ इंडियन 2 में नजर आए थे। अब वह जल्द ही फहाद फाजिल के साथ मलयालम फिल्मों में डेब्यू करने वाले हैं। हाल में ही उन्होंने कमल हासन के साथ काम करने के अनुभव और मलयालम सिनेमा में डेब्यू करने को लेकर बात की है। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान एसजे सूर्या ने मलयालम फिल्मों में अपने डेब्यू की पुष्टि की है। इस फिल्म में वह मलयालम फिल्मों के मशहूर कलाकार फहाद फाजिल के साथ काम करने वाले हैं। अभिनेता ने इस पर बात करते हुए फहाद के अभिनय कौशल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आवेशम में उन्हें फहाद का काम काफी पसंद आया। इस फिल्म ने उनपर गहरी छाप छोड़ी है। इस वजह से वह अपनी पहली मलयालम फिल्म में उनके साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह मेरा पहला मलयालम डेब्यू है और वह भी फहाद फासिल सर के साथ। मुझे कई फिल्मों में उनका काम काफी ज्यादा पसंद आया है, लेकिन आवेशम में उन्हें देखने के बाद मैं उनका दीवाना हो गया। वह फिल्म में बेहद शानदार थे। इसके साथ ही जिस तरह से उन्होंने अभिनय किया, उसका कोई जवाब नहीं है। अभिनेता ने इस फिल्म के क्लाइमेक्स सीन का जिक्र करते हुए कहा कि वह उनकी तारीफ शब्दों से कभी नहीं कर सकते। बता दें कि फहाद फाजिल ने इस फिल्म में रंगा नाम के एक गैंगस्टर की भूमिका निभाई, जिसको दर्शकों ने काफी पसंद किया है।

प्रभास के साथ पर्दे पर रोमांस करेंगी यह पाकिस्तानी अभिनेत्री!

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का आनंद ले रहे हैं। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं, इसके बाद अब प्रभास अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। इसके बाद प्रभास मारुति द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म द राजा साब में अभिनय करेंगे। इसके साथ ही प्रभास ने हनु राघवपुडी के साथ एक नई फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिस पर नई जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हनु राघवपुडी के साथ प्रभास की नई फिल्म एक पीरियड रोमांटिक एक्शन ड्रामा होगी। अब सोशल मीडिया पर फिल्म में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के नाम की चर्चा तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि निर्माताओं ने प्रभास के साथ रोमांस का तड़का लगाने वाली अभिनेत्री को चुन लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभास के साथ पाकिस्तानी अभिनेत्री सजल अली को कास्ट किया जाएगा। सजल अली दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म मॉम में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, कास्टिंग की खबर की पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन इसने काफी चर्चा बटोरी है। अगर इन खबरों में सच्चाई हुई तो सजल को पर्दे पर प्रभास के साथ रोमांस करता देख प्रशंसक उत्साहित नजर आएंगे। मैत्री मूवी मेकर्स इस परियोजना में भारी निवेश कर रहे हैं। यह फिल्म जल्द ही लॉन्च होने वाली है। सीता रामम पर उनके सफल सहयोग के बाद संगीतकार विशाल चंद्रशेखर इस फिल्म के लिए हनु राघवपुडी के साथ फिर से जुड़ेंगे। कहा जा रहा है कि फिल्म आजादी से पहले के दौर के रजाकार आंदोलन पर आधारित होगी। फिल्म की शूटिंग इस साल शुरू होने की उम्मीद है। इससे पहले हनु राघवपुडी ने भी इस फिल्म को लेकर कुछ जानकारियां साझा की थीं। दरअसल, हनु राघवपुडी को वारंगल में एनआईटी के छात्रों के एक विशेष सत्र के लिए बतौर अतिथि बुलाया गया था। इस दौरान उन्होंने यह पुष्टि की कि वे प्रभास की अगली फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रभास के साथ वे पीरियड एक्शन फिल्म करने जा रहे हैं। हनु राघवपुडी ने फिल्म पर बात करते हुए यह भी कहा कि विशाल चंद्रशेखर ने प्रभास के साथ उनकी फिल्म के लिए तीन गाने भी कंपोज कर लिए हैं।

जांच के दौरान प्रक्रिया का पालन नहीं तो सजा आदेश की स्थिरता संदिग्ध हो जाती है : हाई कोर्ट

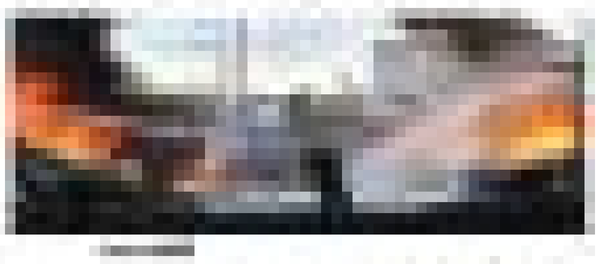

स्थानीय आवश्यकताओं के मुताबिक हमें विकास की कार्ययोजना बनानी है : अरविंद पनगड़िया

पहली बार सदन में नजर आएगी पति-पत्नी की जोड़ी

आयुर्वेदिक औषधियों का पुनरोपण आज के समय की पुकार

संक्षिप्त खबरें

पेरिस ओलंपिक के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे एंडी मरे

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पुरुष एकल चैंपियन एंडी मरे ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह पेरिस ओलंपिक खेलों के साथ ही अपने करियर का अंत करेंगे। 37 वर्षीय मरे ने मंगलवार को एक्स पर लिखा अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिए पेरिस पहुंच गया हूं। ब्रिटेन के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे करियर का अब तक का सबसे यादगार सप्ताह रहा है और मुझे इसे अंतिम बार करने पर बेहद गर्व है। पेरिस ओलंपिक में टेनिस शनिवार से रोलांड गैरोस के क्ले कोर्ट पर शुरू हो रहा है। मरे ने 2012 लंदन ओलंपिक में विंबलडन में ग्रास कोर्ट पर रोजर फेडरर को लगातार तीन सीटों हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था, इसके बाद उन्होंने 2016 में रियो डी जेनेरियो में जुआन मार्टिन डेल पोत्रो को हार्ड कोर्ट पर हराकर अपना खिताब बरकरार रखा था। मरे की 2019 में हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी हुई थी और उसके बाद उन्हें कई चोटें आईं। रीढ़ की हड्डी से सिस्ट निकालने की प्रक्रिया के बाद उन्होंने इस महीने विंबलडन में एकल मुकाबलों से नाम वापस ले लिया था।

क्रिकेट भगवान की तरह है, इसने मुझे सबकुछ दिया : हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली। नेपाल के खिलाफ महिला एशिया कप मैच से पहले, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि क्रिकेट उनके लिए भगवान की तरह है क्योंकि इसने उन्हें सब कुछ दिया है। महिला एशिया कप में मंगलवार को नेपाल के खिलाफ होने वाले मैच में भारतीय महिला टीम जीत की हैट्रिक बनाने के इरादे से उतरेगी। भारत दो मैचों में दो जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर है और सेमीफाइनल में उसका पहुंचना लगभग तय है, लेकिन वह लय बरकरार रखने के लिए ग्रुप स्टेज का यह आखिरी मैच जीतना चाहेगी। भारत ने अब तक चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ जीत दर्ज की है। स्टार स्पोर्ट्स से खास बातचीत में हरमनप्रीत ने कहा, ₹मुझे लगता है कि क्रिकेट मेरे लिए सबकुछ है। क्रिकेट के बिना मैं कुछ नहीं कर सकती। क्रिकेट ने मुझे जो नाम दिया है। वह कोई और क्षेत्र नहीं दे सकता था। इसलिए मुझे लगता है कि क्रिकेट मेरे लिए भगवान की तरह है।

टूर डी फ्रांस विजेता तादेज पोगाकर ने पेरिस ओलंपिक से नाम वापस लिया

पेरिस। टूर डी फ्रांस विजेता तादेज पोगाकर पेरिस ओलंपिक में भाग नहीं लेंगे। स्लोवेनियाई राइडर ने थकान के कारण ओलंपिक से हटने का फैसला किया है। स्लोवेनियाई एजेंसी एसटीए ने सोमवार को इस खबर की पुष्टि की, जब पोगाकर ने एक दिन पहले ही डेनमार्क के दूसरे स्थान पर रहे जोनास विंगेगार्ड पर छह मिनट से अधिक की बढ़त के साथ अपना तीसरा टूर जीता था। पोगाकर ने छह चरणों में जीत हासिल की और रेस में अपना दबदबा बनाए रखा, मई में गिरो डे इटालिया जीतने के बाद उनकी जीत और भी प्रभावशाली हो गई। पोगाकर की जीत का तरीका और शुरूआती सीजन की एक दिवसीय दौड़ में दिखाया गया फॉर्म, जो 273 किलोमीटर की ओलंपिक रोड साइकिलिंग रेस के समान है। इसका मतलब है कि 2020 टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अपने पहले से ही शानदार सीजन में ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए पसंदीदा थे। हालांकि, उनके एजेंट एलेक्स कैरेरा ने बताया कि पिछले तीन महीनों में 25 वर्षीय खिलाड़ी ने जो थकान जमा की है।

ओलंपिक मुझे और मेहनत के लिए प्रेरित करता है : संजय

● मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई और मैं पेरिस ओलंपिक के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहा : संजय

नई दिल्ली। एजेंसी

हरियाणा के हिसार के पास डबरा गांव के रहने वाले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी संजय एक बेहतरीन डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिकर हैं और पेरिस ओलंपिक में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। भारतीय हॉकी के सबसे होनहार खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे संजय का एक छोटे से गांव से ओलंपिक के भव्य मंच तक का सफर उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है।

अपने पहले ओलंपिक में खेलने को लेकर संजय ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह, ओलंपिक में खेलना मेरा सपना था, इसलिए मुझे खुशी है कि मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई और मैं पेरिस ओलंपिक के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहा। यह अवसर मुझे और भी अधिक मेहनत करने और हमारी टीम की सफलता में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। मैं अपने देश को सबसे बड़े खेल मंच पर गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा जब मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए अपने चयन की खबर अपने परिवार को बताई तो वे बहुत खुश हुए। उनका आशीर्वाद और प्रोत्साहन मेरे लिए इस आयोजन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने और उन्हें गौरवान्वित करने के लिए प्रेरणा का एक जबरदस्त स्रोत रहा है। संजय ने पहली बार 2021 जूनियर हॉकी विश्व कप के दौरान देश का ध्यान आकर्षित किया, जहां वह दो हैट्रिक सहित आठ गोल के साथ भारत के लिए सर्वोच्च स्कोरर बनकर उभरे। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल उन्हें टूर्नामेंट में तीसरा सबसे बड़ा स्कोरर बनाया, बल्कि भारतीय हॉकी में भविष्य के सितारे के रूप में उनकी क्षमता का भी प्रदर्शन किया।

संजय ने जून 2022 में सीनियर टीम में पदार्पण किया और भारत को उद्घाटन एफआईएच हॉकी5२ जीतने में मदद कर-के जल्दी ही प्रभाव डाला। टीम में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है, और ड्रैग-फ्लिकर के रूप में उनके कौशल ने महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने हांग्जो, चीन में 19वें एशियाई खेल 2022 और हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों में भी भाग लिया है, जहां टीम ने स्वर्ण पदक जीते। एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप भुवनेश्वर 2021 में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां भारत चौथे स्थान पर रहा, वह तीसरे युवा ओलंपिक खेल 2018 में रजत पदक हासिल करने वाली टीम का हिस्सा थे। संजय को 2021 में अंडर-21 में अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (पुरुष) के लिए हॉकी इंडिया जुगराज सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अब संजय का पूरा ध्यान पेरिस ओलंपिक पर है और उनका लक्ष्य एक बार में एक गेम पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा,₹मैं एक बार में एक गेम लेकर और प्रत्येक मैच में अपना सौ प्रतिशत देकर ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मेरा लक्ष्य पूरी तरह से मौजूद और प्रतिबद्ध रहना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि मैं मैदान पर हर अवसर के साथ अपनी टीम की सफलता में योगदान दूं। यह वह क्षण है जिसके लिए मैंने बहुत मेहनत की है, और मैं इसका अधिकतम लाभ उठाने का इरादा रखता हूं।

एक खिलाड़ी के रूप में अपने अंतिम सपने का खुलासा करते हुए, संजय ने कहा जब से मैंने हॉकी स्टिक उठाई है, तब से मैंने ओलंपिक और विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने का सपना देखा है। इन प्रतिष्ठित प्लेटफार्मों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना और स्वर्ण पदक लाना हमेशा मेरा अंतिम लक्ष्य रहा है। मैं मैदान पर अपने समर्पण और कड़ी मेहनत के माध्यम से अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हूं।

आईओए ने ओलंपिक मेजबानी की दिशा में पहला कदम उठाया

● दुनिया भर में व्यापक रूप से अभ्यास और विभिन्न मानदंडों को पूरा करना चाहिए

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ बातचीत प्रक्रिया शुरू करके 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में पहला कदम उठा लिया है। युवा मामले और खेल मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में इस घटनाक्रम की पुष्टि की। ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए मेजबानी के अधिकार का आवंटन आईओसी द्वारा एक विस्तृत मेजबान चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। आईओसी के पास एक समर्पित निकाय है। फ्यूचर होस्ट कमीशन (एफएचसी), जो इस विषय से निपटता है। इच्छुक राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को एफएचसी के साथ बातचीत शुरू करने की आवश्यकता होती है, जो बाद में एक सतत वार्ता बन जाती है।

अंततः, चयनित एनओसी के साथ एक लक्षित वार्ता बन जाती है। एफएचसी द्वारा इस वार्ता को पूरा करने के बाद, आईओसी कार्यकारी बोर्ड एक चुनाव आयोजित करता है जिसमें सदस्य संबंधित ओलंपिक खेलों के लिए मेजबानी के अधिकार के लिए मतदान करते हैं।

ओलंपिक खेलों में किसी भी खेल अनुशासन को शामिल करने का निर्णय अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा लिया जाता है। इसके अलावा, आईओसी ने निर्धारित किया है कि एक खेल अनुशासन को एक अंतरराष्ट्रीय महासंघ द्वारा शासित किया जाना चाहिए जो ओलंपिक चार्टर के नियमों का पालन करने का वचन देता है और इसे दुनिया भर में व्यापक रूप से अभ्यास किया जाना चाहिए और विभिन्न मानदंडों को पूरा करना चाहिए।

भारत गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में शुरू करेगा अपनी यात्रा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय दल 25 जुलाई से पेरिस ओलंपिक में अपनी यात्रा शुरू करेगा, जिसमें 117 एथलीट 16 खेलों में 69 पदक स्पधाओं में भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा की अगुआई में 29 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम फ्रांस में ओलंपिक के लिए जाने वाले दल का एक बड़ा हिस्सा होगी। इसके अलावा 21 सदस्यीय निशानेबाजी दल भी होगा, जो पेरिस 2024 में किसी भी खेल के लिए भारत द्वारा भेजा गया दूसरा सबसे बड़ा दल होगा। यह भारत द्वारा ओलंपिक इतिहास में भेजा गया सबसे बड़ा निशानेबाजी दल है, इससे पहले टोक्यो 2020 ओलंपिक के दौरान 15 निशानेबाजों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। पेरिस में तिरंगा फहराने के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले तीरंदाजों में दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय जैसे सितारे शामिल हैं। वे 25 जुलाई को व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में प्रतिस्पर्धा करेंगे और अगले दिन होने वाले उद्घाटन समारोह से पहले एक्शन में आने वाले पहले भारतीय होंगे।

भारत को 27 जुलाई को शैटॉरौक्स के राष्ट्रीय निशानेबाजी केंद्र में होने वाले मिश्रित टीम एयर राइफल पदक मैचों के दौरान पदक पर अपना पहला शॉट मिलेगा। इस स्पर्धा में दो भारतीय टीमें, संदीप सिंह/एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता/रमिता जिंदल प्रतिस्पर्धा करेंगी। मनु भाकर दो व्यक्तिगत पिस्टल स्पधाओं और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम प्रतियोगिता में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे असलांका

कोलंबो। एजेंसी

श्रीलंका ने भारत के खिलाफ 27 जुलाई से पल्लेकेले में शुरू होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए मंगलवार को अपनी टीम की घोषणा की। अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी-20 विश्व कप में देश के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 11 जुलाई को वानिन्दु हसरंगा के कप्तान पद से हटने के बाद चरिथ असलांका को कप्तान नियुक्त किया गया है। बोर्ड ने यह नहीं बताया कि क्या वह कुसल मेंडिस की अगुआई वाली वनडे टीम में कोई बदलाव कर रहा है, जबकि धनंजय डी सिल्वा टेस्ट कप्तान बने हुए हैं। भारतीय टीम शनिवार से शुरू होने होने वाले तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के पहले मैच से पहले सोमवार को कैंडी के पल्लेकेले पहुंची। तीन मैचों की वनडे सीरीज 2 अगस्त से कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेली जाएगी। हसरंगा की अनुपस्थिति में, जो निलंबन का सामना कर रहे थे।

आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 के आयोजन की करेगा समीक्षा, पैनल का किया गठन

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुष्टि की है कि टी-20 विश्व कप 2024 के आयोजन की समीक्षा की जाएगी। वैश्विक संस्था ने अपने तीन बोर्ड निदेशकों-रोजर ट्वोस, लॉसन नायडू और इमरान ख्वाजा - के साथ एक पैनल का गठन किया है, जो समीक्षा की देखरेख करेगा और वर्ष के अंत में निष्कर्ष प्रस्तुत करेगा। समीक्षा पैनल नियुक्त करने का निर्णय 19 से 22 जुलाई तक कोलंबो में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन में लिया गया, जिसमें सभी 108 सदस्यों ने भाग लिया। तीन सदस्यीय पैनल बोर्ड को रिपोर्ट करने से पहले समीक्षा करने के लिए एक स्वतंत्र सलाहकार को नियुक्त करेगा। आईसीसी ने 2030 में महिला टी20 विश्व कप को 16 टीमों तक विस्तारित करने को भी मंजूरी दी। 2009 में उद्घाटन टूर्नामेंट में आठ टीमों ने भाग लिया था और 2016 में यह संख्या बढ़कर दस हो गई। अक्टूबर में बांग्लादेश में 2024 महिला टी-20 विश्व कप में भी दस टीमें हिस्सा लेंगी। 2026 के संस्करण में 12 टीमें भाग लेंगी, जिसके लिए क्वालीफिकेशन की कट-ऑफ तिथि 31 अक्टूबर, 2024 है, जिसे 2030 में बढ़ाकर 16 कर दिया जाएगा। 2026 में होने वाले अगले पुरुष टी20 विश्व कप के लिए, आईसीसी ने कहा कि आठ क्षेत्रीय क्वालीफाइंग स्पॉट के लिए अफ्रीका और यूरोप से दो-दो टीमें, अमेरिका से एक और एशिया और पूर्वी एशिया प्रशांत से तीन-तीन टीमें होंगी। पहले, एशिया के पास दो स्पॉट और पूर्वी एशिया प्रशांत के पास एक स्पॉट था।

आईसीसी ने यह भी घोषणा की कि यूएसए क्रिकेट और क्रिकेट चिली को औपचारिक रूप से नोटिस दिया गया है क्योंकि दोनों संगठन आईसीसी सदस्यता मानदंडों का अनुपालन नहीं कर रहे हैं। उनके पास सुधार करने के लिए 12 महीने हैं। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, ₹किसी भी सदस्य के पास उद्देश्य के लिए उपयुक्त विस्तृत शासन और प्रशासनिक संरचना और प्रणाली नहीं है।

वाणिज्य

बजट से शेयर बाजार को झटका, बड़ी गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में रिकवरी का रुख

नई दिल्ली। एजेंसी

बजट पेश होने के बाद लगे झटके से घरेलू शेयर बाजार अब उबरता हुआ नजर आने लगा है। वित्त मंत्री के बजट भाषण के बीच में शेयर बाजार 1.5 प्रतिशत से भी ज्यादा टूट गया था। लेकिन बजट भाषण खत्म होने के बाद शेयर बाजार तेजी से रिकवरी करता हुआ नजर आ रहा है। दोपहर 1 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत और निफ्टी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

आज के कारोबार की शुरूआत बढ़त के साथ हुई थी। लेकिन शुरूआती कारोबार में ही निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाते हुए सपाट पर स्तर पर कारोबार करना शुरू कर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण में जब अपना बजट भाषण शुरू किया, उसके बाद भी काफी देर तक शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ सपाट स्तर पर ही कारोबार करता रहा। लेकिन दोपहर 12:15 बजे के करीब वित्त मंत्री ने जैसे ही इंडस्ट्रियल और कॉरपोरेट सेक्टर से जुड़े प्रावधानों पर बोलना शुरू किया, वैसे ही बाजार में बिकवाली का जोरदार दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक में 1.5 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ गई। इस दौरान बिकवाली का दबाव किस हद तक था, इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,542.09 अंक टूट कर 1,277.76 अंक की कमजोरी के साथ 79,224.32 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी ऊपरी स्तर से 508.35 अंक लुढ़क कर 435.05 अंक की कमजोरी के साथ 24,074.20 अंक तक गिर गया।

हालांकि अगले 15 मिनट के कारोबार में ही खरीदार दोबारा बाजार पर हावी हो गए और चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी, जिसकी वजह से शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से रिकवरी शुरू कर दी।

बजट के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी

बजट के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोना एक बार फिर सस्ता हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 74,440 रुपये से लेकर 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सरार्फा बाजारों में 68,240 रुपये से लेकर 67,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसके कारण दिल्ली सरार्फा बाजार में चांदी आज भी 91,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 73,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 73,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आए। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अच्छे तिमाही नतीजे की उम्मीद की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। पॉजिटिव माहौल में वॉल स्ट्रीट के तीनों सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स 127.91 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 40,415.44 अंक पर के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.08 प्रतिशत की छलांग लगा कर 5,564.41 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

इसके अलावा नैस्डेक 280.63 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 18,007.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 40,401.45 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल नजर आया। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,198.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,622.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 235.14 अंक यानी 1.28 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 18,407.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विप्र सेना द्वारा मनायी गई, चंद्रशेखर आजाद की जयंती

चमकता राजस्थान धौलपुर से रामदास तरुण। बाड़ी देश के युवा क्रांतिकारी और आजाद भारत में अपना अहम योगदान देने वाले चंद्रशेखर आजाद की मंगलवार को जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विप्र सेना के ब्लॉक अध्यक्ष ऋषभ शर्मा के नेतृत्व में शहर के युवाओं ने चंद्रशेखर आजाद गेट पर कार्यक्रम का आयोजन किया! जिसमे डॉ. परमेश पाठक एवम् नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश जाटव के द्वारा चंद्रशेखर आजाद की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया, साथ ही युवाओं ने गगनभेदी नारे लगाए। डॉ. परमेश पाठक ने बताया कि आज विप्र सेना के द्वारा रखे गये इस कार्यक्रम से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए तथा आजादी के लिए जिस तरह क्रांतिकारियों ने अपना खून पसीना बहाया है। उस आजादी को हमें संजोकर रखना है। ब्लॉक अध्यक्ष ऋषभ शर्मा ने बताया कि 1922 में चोरी चोरा की घटना के बाद गांधी जी ने अपना आंदोलन वापस ले लिया था! तो आजाद का राजनेतिक पार्टियों से मोहभंग हो गया। उन्होंने पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और सतीश चंद्र सान्याल, योगेशचंद्र चटर्जी आदि के साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ लोहा लिया और देश को आजाद कराने के लिए अंग्रेजों की सत्ता की नींव हिला दी, लेकिन देश की जनता का और उस समय के नेताओं का साथ नहीं मिला। ऐसे में आजाद शहीद हो गए। इस दौरान,ब्लॉक अध्यक्ष ऋषभ शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश जाटव , डॉ. परमेश पाठक , विप्र सेना उपाध्यक्ष किशोरी भटेले , ऋषभ भारद्वाज , मोनू तिवारी, विजय गौर, दीपक , महावीर विद्योलिया , पुनीत कपरेले, चंद्रशेखर पचौरी तन्मय दिघर्रा, चिम्मन बाबा, अमित शुक्ला, रमन शर्मा , समीर आदि मौजूद रहे

100 दिवसीय संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

चमकता राजस्थान। धौलपुर से रामदास तरुण/धौलपुर। जुलाईको महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा महिला स शक्तिकरण हेतु ढक्क्ष्५ी१३८ 100 दिवसीय संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजत किये जा रहे महिला केंद्रित विधान सप्ताह के तहत मंगलवार को पुरानी तहसील सैपऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके साथ ही महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र सैंपऊ की वार्षिक कार्यशाला भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में ग्रामीण समूहों, एसएचजी, बीओ इत्यादि की महिलाएं उपस्थित हुई। मुख्यातिथि सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग विश्व देव पांडेय द्वारा महिलाओं को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्षय अधिनियम में वर्णित महिला केंद्रित प्रावधानों, आईएम शक्ति उद्यम प्रोत्साहन ऋण योजना, शिक्षा सेतु योजना, वर्क फ्रॉम होम योजना की जानकारी दी और अधिकाधिक महिलाओं को लाभान्वित कराने की अपील की। जेंडर स्पेशलिस्ट कनुप्रिया कौशिक द्वारा महिलाओं को घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और वनस्टॉप सेंटर के बारे में बताया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की ब्रांड एम्बेसडर सीएलएफ अध्यक्ष पार्वती कुशवाहा द्वारा उनके द्वारा राजीविका के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक उत्थान के लिये किये जा रहे प्रयासो पर प्रकाश डाला। थानाधिकारी सैपऊ गम्भीर सिंह एसआई द्वारा महिलाओं को दहेज प्रताड़ना, सहित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरन्त थाने आकर बताने एवं उस पर तत्काल गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। काउंसलर फराह एवं संजू द्वारा महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की कार्यप्रणाली, अधिकारिता इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मौके पर ही थानाधिकारी द्वारा एक महिला की शिकायत पर कार्यवाही भी की गई।

ट्यूबवैलों से विद्युत केबल, पाइप लाइन व अन्य सामान चोरी

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) नदबई क्षेत्र के गांव भदीरा व ऊँच के बीच जंगल में स्थित करीब आधा दर्जन से अधिक ट्यूबवैल का ताला तोड़कर अज्ञात चोर विद्युत केबल, पाइप लाइन सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने मौके पर जांच पडताल की। लेकिन, अज्ञात चोरों का सुराग नही लग सका। विभागीय सूत्रों की मानें तो भदीरा निवासी प्रेमसिंह पुत्र नत्थी, बाबू पुत्र टुण्डाराम, भूपेन्द्र सिंह पुत्र कमल सिंह, देवीसिंह जाटव पुत्र जंगलीराम, गीताराम पुत्र कल्ली, अतर सिंह पुत्र सूरजमल व रौनीजा निवासी गोविन्द सिंह पुत्र परभाती, डिगम्बर सिंह पुत्र सुआ जाट के ट्यूबवैल का ताला तोड़कर अज्ञात चोर विद्युत लाइन, पाइप लाइन सहित अन्य उपकरण चोरी कर ले गए। हालांकि, इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

बिहार को 59 हज़ार करोड़ और आँध्र को 15 हज़ार करोड़ देकर केंद्र सरकार ने दी समर्थन की पहली किस्त

नई दिल्ली/एजेंसी।

वित्त मंत्री ने बजट में बिहार की सड×क-संपर्क परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ रुपए देने का ऐलान किया। इससे पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे का विकास होगा। बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा सड×क संपर्क परियोजनाओं का भी विकास होगा। बक्सर में गंगा नदी पर दो लेना वाला एक अतिरिक्त पुल बनाने में भी मदद होगी।

बिहार में 21 हजार 400 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

इसमें पिरपैंती में 2400 मेगावॉट के एक नए संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। बिहार में नए एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेजों और खेलकूद की अवसंरचना का भी निर्माण होगा। पूंजीगत निवेशों में सहायता के लिए अतिरिक्त आवंटन उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार सरकार के बहुपक्षीय विकास बैंकों से बा' सहायता के अनुरोध पर तेजी से कार्यवाही होगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आंध्र प्रदेश के लिए बजट में ऐलान करते हुए कहा कि 'सरकार का आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए समन्वित प्रयास किया। बहुपक्षीय विकास एजेंसियों के माध्यम से आंध्र प्रदेश को वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करेंगे। चालू वित्त वर्ष में 15 हजार करोड़ और आगामी वर्षों में अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। पोलावरम सिंचाई परियोजना को जल्दी पूरा कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध। इससे हमारे देश को खाद्य सुरक्षा में भी सहायता मिलेगी। विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे में कोप्पार्थी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे पर जोर। आर्थिक विकास के लिए पूंजीगत निवेश के लिए एक वर्ष तक अतिरिक्त आवंटन।

केंद्र सरकार बिहार के लोगों को ठगने का काम करती है : राबड़ी देवी

एजेंसी

पटना। केंद्र सरकार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार कर दिया है। विधानपरिषद में विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी ने कहा कि केंद्र सरकार बिहार के लोगों को ठगने का काम करती है। नीतीश कुमार ने बिहार के लिए विशेष दर्जा का मांग किया था लेकिन केंद्र सरकार ने उस मांग को पूरा नहीं किया। इसलिए नीतीश कुमार को उधर से हट जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या राजद नीतीश कुमार का स्वागत करेगी? इस पर राबड़ी देवी ने कहा कि हम उनका क्यों स्वागत करेंगे? वो आएंगे तो अलग रहेंगे। बिहार में बाढ़ के हालात पर राबड़ी देवी ने कहा कि बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए राज्य सरकार कोई काम नहीं कर रही है। कितने लोगों की फसल डूब गई है लोग दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं। बिहार में अपराध बढ़ गया है। लोगों की हत्या, लूट और डकैती हो रही है। राज्य में पुल गिर रहे हैं। लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों को खाद-बीज नहीं मिल पा रहा है और सरकार को इससे कोई मतलब नहीं है। बजट में बिहार को झुनझुना थमा दिया।

देसी विदेशी शराब के साथ चार कारोबारी गिरफ्तार, चार बाइक जब्त

एजेंसी

नवादा । नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के जमुंदहा जंगल से मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर शराब कारोबारी के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया ।जिसमें 160 लीटर देसी महुआ शराब और लगभग 29 लीटर विदेशी शराब के साथ चार कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही शराब का अवैध परिवहन में शामिल चार बाइक को भी जप्त कर थाने लाई गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिल रही थी कि जमुदहा के जंगली रास्तों से देसी विदेशी शराब की तस्करी शराब माफियाओं के द्वारा की जा रही है। सूचना के आलोक में पीएसआई रौशन कुमार के नेतृत्व में जिला पुलिस बल के जवानों के साथ उक्त जंगल में छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान गया जिला के गझण्डी निवासी गोपाल यादव के पुत्र मुकेश कुमार,रजौली थानाक्षेत्र के मोरिमा निवासी कार्तिक रविदास के पुत्र महेश रविदास,तिलैया के सालेटांड़ निवासी दामोदर सिंह के पुत्र विजय कुमार और गया जिले के फतेहपुर थानाक्षेत्र के कोढ़िया निवासी रामचंद्र प्रसाद के पुत्र पप्पू कुमार को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार शराब माफियाओं के पास से 160 लीटर देसी महुआ शराब एवं 29.25 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया है।

'आलू पर न हो कोई संकट', बाजार में आशंका के बीच ममता का सख्त निर्देश

संवाददाता

कोलकाता। आलू व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। जिसके चलते आलू के लिए बाजार कुछ तंग हो गया है। परिणामस्वरूप, कीमतें बढ़ती हैं। कुल मिलाकर, सिर पर हाथ रखने वाले मध्यवर्गीय हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साफ निर्देश है कि आलू को लेकर कोई 'संकट' न हो। कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ने पंचायत मंत्री और पूर्व कृषि सलाहकार प्रदीप मजूमदार को यह स्पष्ट कर दिया।

ममता ने राज्य विधानसभा में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। वहां उन्होंने आलू की कीमत में बढ़ोतरी और सप्लाई संकट को लेकर गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने साफ किया कि आलू को लेकर कोई संकट नहीं होगा। वहीं, आदेश में कहा गया है कि जब तक कीमत कम नहीं हो जाती, तब तक आलू को भिन्न राज्य में रप्तान नहीं किया जा सकता है। ध्यान दें कि प्रोग्रेसिव पोटैटो ट्रेडर्स एसोसिएशन ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। इस बार मुख्यमंत्री ने इस एसोसिएशन को हटाकर नई संस्था बनाने का आदेश दिया है।

संयोग से, आलू की कीमत पिछले कुछ हफ्तों से बढ़ रही है। राज्य सरकार द्वारा कई निर्देश जारी करने के बावजूद, सख्त उपायों से कोई खास फायदा नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का स्पष्ट आदेश था कि जब तक राज्य की मांग पूरी नहीं होगी और कीमत नियंत्रित नहीं होगी, तब तक भिन्न राज्य में आलू का निर्यात जारी नहीं रहेगा। निर्यात पर प्रतिबंध पर कड़ी नजर रखने के लिए विभिन्न सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आलू व्यापारियों ने कड़ा विरोध जताया। आलू व्यापारी संघ के अध्यक्ष बिद्युतवरण प्रतिहार ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। नतीजतन कारोबार को नुकसान हो रहा है।

केंद्र का बजट गरीब विरोधी, जनविरोधी और राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण है: ममता

कोलकाता। केंद्र का बजट गरीब विरोधी, जनविरोधी, राजनीतिक पक्षपातपूर्ण है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में बैठकर स्पष्ट कही । उनके शब्दों में, "बंगाली बजट में कुछ नहीं दे सकते, लेकिन अपमान हुआ तो लोग जवाब देंगे। " तीसरी बार मोदी सरकार के सत्ता में लौटने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पूर्ण बजट पेश किया। राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल ने आरोप लगाया कि उस बजट में बंगाल को वंचित रखा गया। पार्टी सुप्रीमो तथा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मोदी सरकार के बजट को 'जनविरोधी' बताया।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक ने पानी सम्पद के मुद्दे पर प्रेस क्लब से ओडिशा सरकार को दिए प्रस्ताव

संवाददाता

कोलकाता। जल सम्पद विभाग प्रकृति से मिलने वाले पानी को संग्रह कर सुरक्षित रखने के स्थान पर उस पानी को दफनाने का काम कर रहा है। इस कार्य के लिए विभाग अब 6,000 बांध (जल कब्रगाह) निर्माण कर चुका हैं। इन जल कब्रगाहों के निर्माण में 8,00 8,00 किलोमीटर का भूखण्ड यानी देश की कुल जमीन का 21% भूभाग उपयोग किया जा चुका है। इन कब्रगाहों के लिए लाखों गावों एवं कस्बों में रहने वाले 12 करोड़ भारतीयों ने अपने घरों एवं जमीन की कुबार्नी दी है तथा देश की 30% वन सम्पदा को इन कब्रगाहों के लिए खत्म कर दिया गया है। इन कब्रगाहों के निर्माण के लिए जनता से टैक्स में वसूला गया अथाह धन खर्च किया गया, उन पैसों के हिसाब की बात छोड़िए आकलन करना भी असम्भव है। विभाग इन 6,000 कब्रगहों के जरिए देश की

आवश्यकता से 30गुना ज्यादा पानी सालाना संग्रह कर रहा हैं। अगर उस पानी का मूल्य एक पैसे प्रति लीटर की दर से हिसाब किया जाए तो यह राशि 80लाख करोड़ रुपए को पार कर जाएगी (देश के 3सालों के बजट की धनराशि)। विभाग उस अथाह पानी का न्यूनतम लाभ जनता को प्रदान करता तो देश में एक भी गरीब व्यक्ति नही मिलता। हमें बूंद बूंद पानी बचाओ, पानी सोने से अधिक मूल्यवान है, जल है तो कल है का ज्ञान देने वाला विभाग समुद्र जैसा अथाह पानी संग्रह कर वह पूरा का पूरा पानी बर्बाद कर देता है और हमें पानी के बिना मरने के लिए भगवान भरोसे छोड़ देता है। जल सम्पद विभाग पानी स्टोर कर के रखने के स्थान पर संग्रह किए हुए पानी को खत्म कर के देश तथा हम सब के साथ विश्वासघात कर रहा है। बांधों के निर्माण का मूलभूत सिद्धान्त / महा विज्ञान है नदी नालों से पानी को अलग कर उस पानी को बिना किसी के जमीन पर स्टोर करना। एक 10,,12 वर्ष का बच्चा भी जानता है कि अगर पानी को जमीन पर गिरा दिया जाता है तो वह पानी कुछ समय के भीतर स्वतः खत्म हो जाता है ।

पति ने गला दबाकर की पत्नी की हत्या, पति गिरफ्तार

किशनगंज। जिले के कोचाधामन थाना क्षेत्र के कठामठा पंचायत के वार्ड नंबर-13 स्थित चमन टोला में एक सनकी पति ने मारपीट के बाद पत्नी की गला दबा कर हत्या कर दी है। यह घटना सोमवार देर रात की है। मंगलवार को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार चमन टोला कठामठा गांव निवासी पति सनोवर आलम ने आपसी मतभेद में पत्नी राहेना प्रवीन की मारपीट कर गला दबा कर मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोचाधामन थानाध्यक्ष राजा दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर मृतका के शव को कब्जे में ले लिया है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल किशनगंज भेज दिया है। पुलिस ने पति सनोवर आलम को गिरफ्तार कर लिया है।

विधानसभा का घेराव करने जा रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, कई घायल

एजेंसी

पटना। चौकीदार-दफादार, होमगार्ड अभ्यर्थियों और पासवान समाज के लोगों ने मंगलवार को भीम आर्मी के बैनर तले विधानसभा का घेराव किया।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर कर हंगामा किया। पुलिस ने पहले प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की लेकिन सभी नहीं माने। मजबूरन पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। लाठीचार्ज के दौरान कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने नीतीश सरकार को विधानसभा चुनाव में परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। चौकीदार-दफादार, होमगार्ड अभ्यर्थी और पासवान समाज के लोग 12 सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार सुबह पटना पहुंचे। पटना के कारगिल चौक से विधानसभा मार्च निकाला। वे मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ने लगे। जेपी गोलंबर पर पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारी हंगामा करने लगे। इस दौरान प्रदर्शकारी प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने पर आमादा हो गये। बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल का प्रयोग किया। इस दौरान पटना जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस पदाधिकारी ने प्रदर्शनकारियों को समझने की कोशिश की लेकिन जब वे नहीं माने तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ दिया।

बिहार जेएसएफ प्रदेश अध्यक्ष ने बजट को विकसित भारत का आधार स्तम्भ दिया करार

बजट गरीबों व किसानों को बल, युवाओं को बेहतर कल प्रदान करने वाला है

एजेंसी

अररिया । केंद्रीय वित्तमंत्री द्वारा संसद में पेश आम बजट विकसित भारत का आधार स्तम्भ, गरीब, किसान, युवाओं एवं महिलाओं के समग्र कल्याण और विकसित भारत निर्माण के विराट संकल्प को पूरा करने की गारंटी वाला बजट है। उक्त बातें भाजपा नेता एवं जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने आम बजट 2024 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। कुमार ने कहा कि बजट गरीबों व किसानों को बल, युवाओं व महिलाओं को बेहतर कल प्रदान करने वाला है। जिसमे कृषि, पर्यावरण, पर्यटन, एक्सप्रेसवे, शिक्षा, सुरक्षा, लघु

उद्योग से लेकर आधरभूत सरंचना के विकास पर विशेष बल दिया गया है। मोदी सरकार ने अगले 5 वर्षों में गरीबों के लिए 3 करोड़ आवास निर्माण करने,महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चल रही योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने,25 हजार ग्रामीण बस्तियों तक बारह मासी सड़क निर्माण करने,1 करोड़ घरों में हर महीने 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने, 1करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करने तथा 5 राज्यों में जनसमर्थन आधारित किसान क्रेडिट कार्ड देने,घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए 10 लाख के ऋण उपलब्ध कराने के साथ 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार के लिये 5 नई योजनाओं की घोषणा और उसके लिए 2 लाख करोड़ का फण्ड का आवंटित करने,अगले 5 वर्षों में 1करोड़ युवाओं को 500 टॉप कम्पनियों में इंटर्नशिप कराने की घोषणा की गई है।

उन्होंने कहा कि पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने सहित बिहार में काशी के तर्ज पर बोधगया में कॉरिडोर के निर्माण, नालंदा में पर्यटन के विकास तथा राजगीर में टूरिस्ट सेंटर का निर्माण सहित 26 हजार करोड़ से बक्सर भागलपुर, गया दरभंगा, एवं पटना पुर्णिया तक एक्सप्रेसवे का निर्माण के साथ साथ पीरपैंती में 21 हजार 400 करोड़ की लागत से 2400 मेगावाट के पावर प्रोजेक्ट्स योजना की घोषणा और बाढ़ प्रबंधन के लिए 11 हजार 500 करोड़ का पैकेज सहित मेडिकल कॉलेज, एयरपोर्ट ओर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर सहायता देने के आलावे कोलकाता अमृतसर इकनॉमिक कॉरिडोर के तहत गया में औधोगिक पार्क विकसित करने का प्रावधान जैसे अनेकों जनकल्याणकारी कदम उठाये जाने की घोषणा बजट में की गई है।

मोदी सरकार 03 के पहले बजट की फारबिसगंज विधायक ने की सराहना

एजेंसी

अररिया । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी सरकार 3 का पहला बजट लोकसभा में पेश की। जिसमे देश सहित बिहार के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणा किए गए।वित्त मंत्री की ओर से पेश बजट और किए गए प्रावधान का फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने बजट में बिहार के लिए 26 हजार करोड़ रुपए का आवंटन का प्रावधान किया है। इसके तहत बिहार में पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस वे, गया-वैशाली-सीतामढ़ी एक्सप्रेसवे और बक्सर में गंगा नदी पर दो लेन पुल

बनेगा। इसके साथ ही भागलपुर के पीरपैंती में 2002 मेगावाट की क्षमता वाला एक पॉवर प्लांट स्थापित की जाएगी। साथ ही बिहार में एयरपोर्ट और मेडिकल कॉलेज के निर्माण की भी घोषणा की गई है।उन्होंने कहा कि बिहार को बाढ़ से मुक्ति के लिए सिंचाई, बांध और नहर योजनाओं के लिए 11 हजार 5 सौ करोड़ रुपए का आवंटन का प्रावधान किया गया है और वित्त मंत्री के बिहार विशेष पैकेज के अनुरूप हर सहायता उपलब्ध कराने के घोषणा का स्वागत किया। गया में विष्णुपद मंदिर और महाबोधि मंदिर में श्रद्धालु और टूरिस्ट की बढ़ती भीड़ और उन्हें आकर्षित करने के लिए विष्णुपद कॉरिडोर और महाबोधि कॉरिडोर का निर्माण कार्य को सम्मिलित करने पर विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद किया ।